संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 303
पृष्ठ 8
मंगलवार
23 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मानसून में बढ़ जाती है ..

विचार- अनूठे थे ओलंपिया में शुरू हुए...

खेल- विराट कोहली के साथ रिश्तों पर...

अगले पांच साल की दशा तथा दिशा तय करेगा बजट : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले छह दशक में लगातार एक सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने को लोकतंत्र की गौरवमय यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया और कहा कि उनकी सरकार जो बजट पेश करने जा रही है वह अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह अगले पांच साल के लिए देश की दशा तथा दिशा तय करेगा। श्री मोदी ने सोमवार को संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले संसद भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, "ये बजट अमृतकाल का एक महत्वपूर्ण बजट है। हमें पांच साल का जो अवसर मिला है, आज का बजट हमारे उन पांच साल के कार्य की दिशा भी तय करेगा और 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे, तब विकसित भारत का जो सपना है, उसको पूरा करने की मजबूत नींव वाला बजट कल देश के सामने आएगा। हर देशवासी के लिए एक गर्व की बात है कि भारत बड़ी इकोनॉमी वाले देशों में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला देश है। गत 3 वर्षों में लगातार 8 प्रतिशत ग्रोथ के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं, प्रगति कर रहे हैं। आज भारत में सकारात्मक आउटलुक, निवेश और प्रस्तुति एक प्रकार से अवसर के चरम पर है। ये अपने आप में भारत की विकास यात्रा का एक अहम पड़ाव है।" उन्होंने तीसरी बार एक ही सरकार के गठन को लोकतंत्र के लिए गौरव का विषय बताया और कहा "भारत के लोकतंत्र की जो गौरवयात्रा है, उसमें ये एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में मैं देख रहा हूं। व्यक्तिगत रूप से मुझे भी, हमारे सभी साथियों के लिए भी ये अत्यंत गर्व का विषय है कि करीब 60 साल के बाद कोई सरकार तीसरी बार वापस आई और तीसरी पारी का पहला बजट रखने का सौभाग्य प्राप्त हो, ये भारत के लोकतंत्र की गौरवयात्रा की अत्यंत गरिमापूर्ण घटना के रूप में देश इसे देख रहा है। ये बजट सत्र है। मैं देशवासियों को जो गारंटी देता रहा हूं, क्रमशरू रूप से उन गारंटियों को जमीन पर उतारना इस लक्ष्य को लेकर के हम आगे बढ़ रहे हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा "मैं देश के सभी सांसदों से, चाहे वह किसी भी दल के क्यों न हों। मैं आज आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं कि गत जनवरी से लेकर के हम लोगों के पास जितना सामर्थ्य था, इस सामर्थ्य को लेकर के जितनी लड़ाई लड़नी थी– लड़ ली, जनता को जो बात बतानी थी– बता दी। किसी ने राह दिखाने का प्रयास किया, किसी ने गुमराह करने का, लेकिन अब वो दौर समाप्त हो गया है, देशवासियों ने अपना निर्णय दे दिया है। चुने हुए सांसदों का कर्तव्य है, सभी राजनीतिक दलों की विशेष जिम्मेदारी है कि हमने दल के लिए जितनी लड़ाई लड़नी थी, लड़ ली, अब आने वाले 5 वर्ष के लिए हमें देश के लिए लड़ना हैं, देश के लिए जूझना हैं, एक और नेक बनकर के जूझना है। मैं सभी राजनीतिक दलों से भी कहूंगा कि आइए हम आने वाले चार, साढ़े चार साल दल से ऊपर उठकर के, सिर्फ और सिर्फ देश को समर्पित होकर के संसद के इस गरिमापूर्ण मंच का हम उपयोग करें।" उन्होंने चुने हुए सदस्यों से कहा "जनवरी 2029, जब चुनाव का वर्ष होगा आप उसके बाद जाइए मैदान में, सदन का भी उपयोग करना है, कर लीजिए। वो 6 महीने जो खेल, खेलने हैं– खेल लीजिए। लेकिन तब तक सिर्फ और सिर्फ देश, देश के गरीब,देश के किसान, देश के युवा,देश की महिलाएं उनके सामर्थ्य के लिए, उनको सशक्त करने के लिए जनभागीदारी का एक जनआंदोलन खड़ा कर करके 2047 के सपने को पूरा करने के लिए हम पूरी ताकत लगाएं। मुझे आज बहुत दुख के साथ कहना है कि 2014 के बाद कोई सांसद 5 साल के लिए आए, कुछ सांसदों को 10 साल के लिए मौका मिला। लेकिन बहुत से सांसद ऐसे थे, जिनको अपने क्षेत्र की बात करने का अवसर नहीं मिला, अपने विचारों से संसद को समृद्ध करने का अवसर नहीं मिला, क्योंकि कुछ दलों की नकारात्मक राजनीति ने देश के संसद के महत्वपूर्ण समय का एक प्रकार से अपनी राजनीतिक विफलताओं को ढकने के लिए दुरूपयोग किया है। मैं सभी दलों से आग्रहपूर्वक कहता हूं कि कम से कम जो पहली बार सदन में आए हैं, ऐसे बहुत बड़ी संख्या में हमारे माननीय सांसद हैं और सभी दल में हैं, उनको अवसर दीजिए, चर्चा में उनके विचारों को प्रकट करने का मौका दीजिए। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आगे आने का अवसर दीजिए। आपने देखा होगा कि पार्लियामेंट के नए संसद गठन होने के बाद जो पहला सत्र था, 140 करोड़ देशवासियों ने बहुमत के साथ जिस सरकार को सेवा हुकुम दिया है उसकी आवाज कुचलने का अलोकतांत्रिक प्रयास हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में सुनी 300 लोगों की फरियाद, कहा-

राज्यवासियों की हर समस्या का समाधान किया जाएगा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यानी सोमवार को सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। इस दौरान सीएम योगी ने जन समस्याएं सुनी और लोगों को उनकी समस्याओं का समाधान किए जाने का आश्वासन दिया। इस दौरान सीएम योगी ने अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में विभिन्न जनपदों से करीब 300 लोग अपनी समस्या लेकर पहुंचे। सीएम ने सभी के पास जाकर उनसे मुलाकात की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और कहा कि हर मामले में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आदित्यनाथ ने कहा, ''जिनके पास पक्का आवास नहीं है, उन्हें प्रधानमंत्री–मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मकान दिया जाएगा और जिन्हें इलाज की आवश्यकता है, उनके इलाज की व्यवस्था की जाएगी।...हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण किया जाएगा। सीएम योगी ने अधिकारियों को सभी जरूरतमंदों के आयुष्मान कार्ड बनवाने और जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्यवासियों की हर समस्या का समाधान किया जाए। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महादेव की विधि विधान से आराधना कर उनसे लोकमंगल की प्रार्थना की। जानकारी के अनुसार सोमवार को योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में स्थापित शिवलिंग की पूजा कर सबके जीवन में आरोग्य, सुख, समृद्धि और शान्ति की कामना की। योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार प्रातःकाल गुरु गोरक्षनाथ का दर्शन पूजन किया और वह अपने गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर भी गए। वहीं, सीएम योगी ने सावन के पहले सोमवार की सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं और बधाई भी दी।

कांवर यात्रा मार्गों पर `नाम' प्रदर्शित करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कांवड़ यात्रा मार्गो पर दुकानदारों, होटल मालिकों को अपने और अपने यहां काम करने वाले अन्य कर्मचारियों के नाम सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करने के आदेश पर सोमवार को रोक लगाते हुए संबंधित राज्यों को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने श्नामश प्रदर्शित करने करने के आदेशों की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद राज्य सरकारों को रोक संबंधी यह निर्देश जारी किया और कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई शुक्रवार को करेगी। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों को अगली सुनवाई से पहले अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। पीठ ने अपने आदेश में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों को कांवड़ यात्रियों के मार्ग में पड़ने वाले होटल, दुकानों, भोजनालयों और ढाबों के मालिकों, वहां कार्यरत कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने के निर्देशों को लागू करने पर रोक लगा दी। पीठ ने नाम प्रदर्शित करने वाले आदेश पर पर रोक लगाते हुए कहा, "खाद्य पदार्थ विक्रेता मालिकों, नियोजित कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।" शीर्ष अदालत के समक्ष याचिकाएं अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की नेता सांसद महुआ मोइत्रा, गैर सरकारी संगठन– एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) के अलावा शिक्षाविद प्रोफेसर अपूर्वानंद और अन्य द्वारा दायर की गई थीं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं में शामिल सांसद महुआ मोइत्रा की ओर से अदालत के समक्ष पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने कहा कि निर्देशों (नाम प्रदर्शित करने संबंधी राज्यों की पुलिस द्वारा) में पहचान के आधार पर बहिष्कार के बड़े मुद्दे होंगे। उन्होंने कहा कि निर्देशों के परिणामस्वरूप मालिकों की पहचान से उनका सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार हो सकता है। उन्होंने यह भी दलील दी कि नाम प्रदर्शित करने संबंधी पुलिस अधिकारियों द्वारा जारी निर्देश का कोई वैधानिक आधार भी नहीं है। श्री सिंघवी ने दलील देते हुए कहा कांवड़ यात्रा दशकों से होती आ रही है। इस दौरान शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसने वाले ऐसे होटल हैं, लेकिन उनके कर्मचारी मुस्लिम होते हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान सभी धर्मों के लोग लोगों को भोजन परोसते रहे हैं। पीठ के समक्ष अन्य याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों द्वारा जारी किए गए बयानों के बाद आदेश का उच्चतम स्तर पर क्रियान्वयन किया जा रहा है। निर्देश धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे के संविधान की प्रस्तावना के वादे पर आघात करते हैं। उन्होंने कहा कि नाम प्रदर्शित करने का आदेश जाति, धर्म और नस्ल के आधार पर भेदभाव न करने के संवैधानिक सिद्धांत के भी खिलाफ हैं। याचिका में कहा गया है कि 'कांवड़ यात्रा' सोमवार 22 जुलाई और 2 अगस्त होगी।

जालंधर में लगभग दो करोड़ रुपये कीमत की विदेशी करेंसी बरामद, आरोपी गिरफ्तार

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के जालंधर में पुलिस ने एक क्रेटा कार से करीब 2.5 करोड़ की विदेशी करेंसी बरामद की है। चेकिंग के दौरान कार नंबर पीबी07 सीडी 5821 की तलाशी ली गई। देर रात पंजाब पुलिस ने कार चालक से पूछताछ की। पैसे गिनने के लिए मशीन मंगवाई गई। आपको बता दें कि कार से भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के बाद पुलिस कार चालक को थाने ले आई। जांच में पता चला है कि कार होशियारपुर निवासी पुनीत सूद उर्फ गांधी के नाम पर है। कार चालक के पास बरामद नकदी के कोई कानूनी दस्तावेज नहीं हैं। गिरफ्तारी के दौरान कार चालक और पुलिस अधिकारी के बीच विवाद भी हुआ। पुलिस ने देर रात आरोपी के खिलाफ बारादरी थाने में मामला दर्ज कर लिया है।

गागर में सागर है डॉ0 प्रदीप चित्रांशी के दोहे - अनवर अब्बास

प्रयागराज। आज तुलसियानी कांप्लेक्स सिविल लाइन में डॉ प्रदीप चित्रांशी द्वारा रचित एवं लोक रंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित दोहा संग्रह रमो राम के नाम में का लोकार्पण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शहर के मशहूर शायर डॉ अनवर अब्बास ने दोहे की खूबसूरती को बयान करते हुए कहा कि प्रदीप चित्रांशी का यह दोहे कालजयी हैं और संग्रह बेजोड़ है। इसमें दोहे के माध्यम से प्रदीप चित्रांशी जी ने गागर में सागर की बात की है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ कल्पना वर्मा ने उपरोक्त दोहा संग्रह की चर्चा करते हुए दोहे के तकनीकी एवं साहित्यिक पक्षो की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि यह रचना प्रेम को विस्तार देती है, संबंधों को विस्तार देती है गहराई देती है और समकालीन समाज के बहुत सारी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करती है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि समकालीन दौर वैश्वीकरण, उत्तर–आधुनिकता, उपभोक्तावाद, मूल्यों का क्षरण और पहचान के संकट के दौर में यह दोहा संग्रह–ष्रमो राम के नाम में एक आध्यात्मिक रचना के रूप में रचनाकार की गंभीरता, संवेदनशीलता एवं समाज के प्रति सरोकार और परिपक्वता को महसूस किया जा सकता है।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि कुमार मिश्र ने कहा कि किसी भी रचनाकार के लिए समकालीन चुनौतियों के प्रति उत्तर के रूप में इस तरह के रचनाओं से समाज को नई दिशा मिलेगी और तमाम संगठन और समकालीन चुनौतियों से जूझने का मार्ग प्रशस्त होगा। वक्ता डॉ विमला व्यास ने गुरु को समर्पित माता–पिता और समय के साथ संवाद करते हुए दोहों को अद्भुत एवं अनुपम बताया। वक्ता एडवोकेट नवीन सिन्हा जी ने रचनाकार की सरल सहज प्रवाह में भाषा में प्रस्तुत इस रचना का काव्य पाठ किया। डॉ प्रदीप चित्रांशी जी ने प्रस्तुत रचना के बारे में अपने अनुभव साझा किया। लोक रंजन प्रकाशन के श्री रंजन पांडे जी ने रचनाकार की रचना धर्मिता एवं पुस्तक के प्रकाशन से संबंधित अपना संस्मरण साझा किया।कार्यक्रम का संचालन शहर क्षमता के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी ने किया। इस अवसर पर अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

प्रयागराज–वाराणसी तक एक लेन पर कांवड़ यात्रा

सावन के पहले सोमवार पर मंदिरों में उमड़ी भीड़, ड्रोन से निगरानी, सुरक्षा में लगे 3000 पुलिसकर्मी

प्रयागराज। प्रयागराज में श्रवण मास पहले सोमवार को खास इंतजाम किए गए हैं। सभी मंदिरों में कांवरियों की भीड़ उमड़ेगी। ऐसे में कांवड़ यात्रा के लिए भोजन, पानी, आराम स्थल के साथ ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर प्रयागराज के सभी मंदिरों, मठों में सुबह से ही भीड़ उमड़ेगी। ऐसे में मंदिरों के आसपास कांवरियों के लिए विशेष इंतजाम हुए हैं। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने खास इंतजाम किए हैं। प्रयागराज से बनारस रूट और मंदिरों में 3000 पुलिसकर्मियों तैनात किए गए हैं। प्रयागराज–वाराणसी रूट पर भारी वाहनों का प्रवेश बंद कर यातायात डायवर्जन लागू कर दिया गया है। प्रयागराज–वाराणसी रूट ट्रैफिक डायवर्जन के साथ ही सड़क, पुल की एक लेन कांवरियो के लिए आरक्षित कर दी गई है। इस पर वाहन नहीं चलेंगे, महज कांवर यात्रा गुजरेगी।

कई रूट कांवरियों के लिए अलग

कांवरिया प्रयागराज–वाराणसी के लिए झूंसी, सरायइनायत, हंडिया, भदोही के रास्ते वाराणसी जाते हैं। पूरी रात कांवरियों के गुजरने, यात्रा निकलने, डीजे आदि जाने की वजह से एक लेन उनके लिए बुक रहेगी। दूसरी लेन से ही वाहनों और लोगों की आवाजाही होगी। डीसीपी अभिषेक भारतीय कांवर यात्रा के मदद्देनजर सुरक्षा इंतजामों को लेकर मीटिंग और रूट गश्त कर रहे हैं। डीसीपी का कहना है कि एक लेन कांवर यात्रा के लिए होगी। हर मंदिर पर सुरक्षा इंतजाम के साथ हाईव पर फोर्स मौजूद रहेगी। पेट्रोलिंग के लिए भी टीमें लगाई गई हैं। फाफामऊ से सहसों होते जौनपुर मार्ग, फाफामऊ से मऊआइमा होते हुए प्रतापगढ़, श्रृंग्वेरपुर घाट से जाने वाले मार्ग, थरवई में पांडेश्वर नाथ पड़िला महादेव धाम मार्ग पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। श्रावण मास में कांवर यात्रा को लेकर ट्रैफिक प्लान लागू कर दिया गया है। इसके तहत प्रयागराज–वाराणसी मार्ग को वन–वे कर दिया गया। पूरे महीने भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा।

ट्रैफिक पुलिस ने लागू किया डायवर्जन

- कानपुर की ओर से वाराणसी जाने वाले वाहन फतेहपुर से लालगंज, रायबरेली, प्रतापगढ़, मछली शहर, जौनपुर के रास्ते गंतव्य तक पहुंचेंगे।
- लखनऊ से वाराणसी की तरफ जाने वाले भारी वाहन रायबरेली, ऊंचाहार, जौनपुर की तरफ जाएंगे और वापस भी इसी मार्ग से आएंगे।
- प्रतापगढ़ से वाराणसी जाने वाले वाहन रानीगंज, मुंगराबादशाहपुर, मछली शहर होकर गुजरेंगे और वापसी भी इसी मार्ग से ही करेंगे।
- रीवा, बांदा की तरफ से वाराणसी जाने वाले वाहन घूरपुर गौहनिया, कर्मा, करछना, मीरजापुर होकर जाएंगे और वापसी का मार्ग भी यही रहेगा।
- रीवा, बांदा, चित्रकूट से कानपुर की तरफ जाने वाले वाहन चौडगरा, फतेहपुर होकर जाएंगे। लखनऊ वाले वाहन लालगंज, रायबरेली होकर जाएंगे।

मंत्री सुरेश खन्ना बोले– बजट में रोजगार के अवसर होंगे

प्रयागराज में विकास कार्यों की समीक्षा की, महाकुंभ की तैयारियों को लेकर दिए दिशा निर्देश

प्रयागराज। यूपी के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना सोमवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक की। महाकुंभ के मद्देनजर प्रयागराज में हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट जानने के बाद उन्होंने कई जरूरी निर्देश दिए। सुरेश खन्ना ने कहा कि 2019 में हमारी सरकार ने कुंभ मेले का आयोजन करवाया था। जिसमें दुनिया भर से लोग पहुंचे थे। 2025 में होने वाला कुंभ मेला भी 2019 की तरह ही भव्य और दिव्य होगा।

2025 का बजट जनकल्याण वाला बजट होगा : कांवड़ यात्रा को लेकर जारी विवाद पर कहा, पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकास का जो मंत्र दिया। हमारी सरकार उसी मंत्र के हिसाब से काम कर रही है। केंद्रीय आम बजट पर कहा कि ये बजट विकसित भारत की दिशा में सर्व समावेशी बजट होगा। जिसमें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। 2025 का बजट जनकल्याण की दिशा में काम करेगा।

अपनी कथाओं में महाकुंभ का न्योता दे रहीं राधिका

प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में आने के लिए लोगों को कर रही हैं प्रेरित

प्रयागराज। 2025 के जनवरी में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के लिए सरकार ही नहीं देश भर के साधु–संत भी तैयारी कर रहे हैं। लोगों को महाकुंभ में पुण्य की डुबकी लगाने आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। मानस प्रवक्ता व योगाचार्य राधिका वैष्णव प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी महाकुंभ में आ रही हैं। वह इसके लिए अभी से लोगों को महाकुंभ में आने का न्योता दे रही हैं। जहां भी वह रामकथा सुनाने जा रही हैं वहां पर वह महाकुंभ की चर्चा जरूर करती हैं। महाकुंभ में आकर संगम में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्यलाभ के बारे में बता रही हैं। चित्रकूट की रहने वालीं राधिका इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ही एमएससी की पढ़ाई की हैं।

युवाओं को धर्म–अध्यात्म से जुड़ने की पहल : कथावाचक राधिका वैष्णव ने कहा– युवा पीढ़ी को धर्म अध्यात्म से जुड़ने की जरूरत है। कुंभ और महाकुंभ हमारे सनातन व संस्कृति की धरोहर हैं। इसे संजोए रखने के लिए युवाओं की जरूरत है। इसलिए ज्यादा जरूरी है कि हमारी युवा पीढ़ी इसे देखने और समझने के लिए प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में जरूर पहुंचें।

संगम पर पिकनिक मनाने का भाव लेकर न आएं

राधिका वैष्णव कहती हैं अधिकांश युवा धर्म और अध्यात्म से अनभिज्ञ हैं। उन्हें महाकुंभ में आकर इसकी महत्ता को समझना होगा। संगम पर पिकनिक मनाने का भाव लेकर न आएं बल्कि इसके बारे में समझें। दुनिया का सबसे बड़ा मेला महाकुंभ प्रयागराज में आयोजित होता है। यह हम सबका सौभाग्य है, इसलिए इसमें ज्यादा से ज्यादा लोग पहुंचकर पुण्य की डुबकी लगाएं और यदि संभव हो तो महाकुंभ में कल्पवास भी करिए।

प्रयागराज में बीयर शॉप में तोड़फोड़

नशे में युवकों ने किया हंगामा, ईंट फेंककर मारीय ग्रिल तोड़ने की कोशिश

प्रयागराज। प्रयागराज के घूरपुर इलाके में एक बीयर शॉप पर युवकों ने मारपीट कर हंगामा करने के बाद तोड़फोड़ शुरू कर दी।

बवाल कर युवक निकल भागे। वहां लगे सीसीटीवी में युवकों के तोड़फोड़ करने की घटना रिकॉर्ड हो गई। अब यह वीडियो वायरल हो रहा है। फुटेज के आधार पर पुलिस युवकों की तलाश में लगी है। यमुनापार के घूरपुर इलाके की यह घटना है। यहां बीयर शॉप पर भीड़ होती है। बीयर पीने के बाद युवकों का शॉप संचालक से झगड़ा हो गया। इसके बाद युवकों ने तोड़फोड़ लूट की कोशिश की। दुकान में लगी ग्रिल को गिराने की कोशिश की। शाप में लगे ब्ज्ट में पूरा मामला रिकॉर्ड हो गया। डीसीपी श्रद्धा पांडेय का कहना है कि बीयर शॉप के संचालक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच की जा रही है। युवकों की पहचान हो रही है।

सावन का पहला सोमवार , शिवालयों में शिवभक्तों की कतार

प्रयागराज के मनकामेश्वर मंदिर में भोर से पहुंचने लगे श्रद्धालु, संगम में भी लगा रहे डुबकी

प्रयागराज। 22 जुलाई सावन पवित्र माह का पहला सोमवार है। यही कारण है कि सभी शिवालयों में शिवभक्त बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। सबसे ज्यादा भीड़ यमुना के किनारे स्थित मनकामेश्वर मंदिर में पहुंची। यहां तो भोर से ही श्रद्धालु भगवान शिव का दर्शन करने के लिए पहुंचने लगे थे। शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए भी लंबी लाइन लगी रही। यहां करीब आधा किलोमीटर लंबी लाइन सड़क पर लग गई। हर–हर महादेव का उद्घोष करते हुए श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं और दर्शन पूजन कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम पर पहुंचकर स्नान–दान कर रहे हैं।

शिवालयों में चल रहा रूद्राभिषेक

प्रयागराज के लगभग सभी शिवालयों में आज रूद्राभिषेक चल रहा है। श्रद्धालु रूद्राभिषेक कर रहे हैं। गंगा तट पर स्थित नागवासुकि मंदिर, शिवकुटी में स्थित कोटेश्वर महादेव मंदिर, शिव कचहरी, सिविल लाइंस स्थित हनुमत निकेतन मंदिर, बंधवा स्थित बड़े हनुमानजी मंदिर में श्रद्धालु दर्शन व जलाभिषेक करने के लिए पहुंचे हैं। हर–हर महादेव के उद्घोष से पूरा मंदिर परिसर गूंज रहा है।

प्रमुख मंदिरों में रूद्राभिषेक के लिए चल रही वेटिंग

दरअसल, सावन का पवित्र माह होने के कारण ज्यादातर शिवालयों में रूद्राभिषेक कराना चाहते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ। शहर के सभी प्रमुख मंदिरों में रूद्राभिषेक के लिए श्रद्धालु पहले से ही इसके लिए बुकिंग करा चुके हैं। मनकामेश्वर मंदिर व नागवासुकि मंदिर में तो 100 से ज्यादा की वेटिंग चल रही है। सभी ज्यादा वेटिंग सोमवार के दिन की है। नागवासुकि मंदिर के प्रबंधक श्यामधर त्रिपाठी का कहना है कि एक माह पहले से ही श्रद्धालु रूद्राभिषेक के लिए बुकिंग कराने पहुंचने लगे थे। यही कारण है कि अब आने वाले लोगों को तत्काल रूद्राभिषेक नहीं कराया जा रहा है।

पावर कारपोरेशन के अधिशासी अभियंता की बर्खास्तगी रद्द

इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश– जांच अधिकारी ने निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पावर कारपोरेशन के अधिशासी अभियंता संजय शर्मा की बर्खास्तगी का आदेश रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा की बर्खास्तगी का आदेश जारी करते समय जांच अधिकारी ने जांच के निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया है। कोर्ट ने विभाग को 3 माह में नए सिरे से नियमानुसार जांच पूरी करने का निर्देश दिया है। इस दौरान अधिशासी अभियंता अपने पद पर काम करते रहेंगे तथा उनका नियमानुसार वेतन भुगतान का भी निर्देश दिया। गौतम बुद्ध नगर के संजय शर्मा को 5 अक्टूबर 2019 को शिकायत मिलने के बाद निलंबित कर दिया गया था। उनके खिलाफ नियमित जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच के बाद तीन सदस्य जांच कमेटी गठित की गई। विभागीय जांच कमेटी ने याची को चार्जशीट

जारी किया। जिस पर याची ने अपना प्रति उत्तर दाखिल किया। उसके जवाब से असंतुष्ट होते हुए जांच कमेटी ने याची को सेवा से बर्खास्त कर दिया। इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

जानिए याचिका दाखिल करने वाले ने क्या तर्क रखा

याची का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक खरे का कहना था कि याची को जारी चार्जशीट को सिर्फ मैनेजिंग डायरेक्टर द्वारा अनुमोदित किया गया है। जबकि नियुक्ति और अनुशासनात्मक प्राधिकारी अध्यक्ष होते हैं। अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद ही चार्जशीट जारी की जा सकती है। इस प्रक्रिया के अभाव में की गई कार्रवाई अवैधानिक है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने यह भी कहा कि याची का मौखिक बयान दर्ज करने के सिवाय कोई अन्य जांच नहीं की गई। जांच अधिकारी ने विभागीय गवाहों के बयान नहीं लिए। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट को सत्यापित किए बिना जांच आगे बढ़ा दी। जो की अवैधानिक है। तथा बर्खास्त की आदेश रद्द किए जाने योग्य है। पॉवर कारपोरेशन के अधिवक्ता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि एमडी को अनुशासनात्मक कार्यवाही के मामले में अध्यक्ष की शक्तियां प्रदान की गई है। लिहाजा एमडी द्वारा जारी चार्जशीट स्वीकार करने योग्य है। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि अधिकारी ने विभागीय जांच नियम अनुसार नहीं की है इसलिए विभागीय कार्रवाई और बर्खास्तगी का आदेश रद्द होने योग्य है। कोर्ट ने कहा कि याची का निलंबन आदेश पहले ही हटाया जा चुका है और वह बर्खास्त होने से पूर्व अपने पद पर काम कर रहा था। उसे काम करने दिया जाए तथा नियमानुसार वेतन का भुगतान किया जाए। इस दौरान तीन माह के भीतर नए सिरे से नियमानुसार विभागीय जांच पूरी की जाए।

करेली में घर के भीतर महिला की हत्या, 20 लाख रुपये की लूट

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के भावापुर मोहल्ले में रविवार रात सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। यहां महिला की हत्या कर बदमाश 15 लाख नकद और पांच लाख के गहने लूट ले गए। घटना के समय महिला घर में अकेली थी। शाम को बेटे के घर वापस आने के बाद घटना की जानकारी हुई। मुहल्ले में दो दिन से घूम–घूमकर चंदा मांगने वाले दो युवक शक के दायरे में हैं। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। हत्यारों का सुराग नहीं लग सका है। मनीराम पाल मूल रूप से कानपुर के बिल्हौर के रहने वाले हैं। वह हाईकोर्ट के पास फोटोस्टेट की दुकान चलाते हैं और परिवार के साथ करेली के नयापुरवा मोहल्ले में किराए के मकान में रहते हैं। घर में पत्नी सुभद्रा (54) के अलावा बड़ा बेटा योगेश है. बहू 15 दिन पहले मायके चली गई थी, जबकि छोटा बेटा इन दिनों गांव में ही है। सचिन भावापुर

चौराहे पर स्टेशनरी की दुकान चलाता है। सचिन ने बताया कि रोज की तरह सुबह साढ़े नौ बजे पिता दुकान चले गए। 12.30 बजे वह भी दुकान चला गया। इस दौरान मां घर पर अकेली थी. शाम छह बजे वापस आया तो मेन गेट बंद तो था लेकिन भीतर से कुंडी नहीं लगी थी। वह जैसे ही अंदर गया उसकी चीख निकल गई। मां बिस्तर पर खून से लथपथ पड़ी थी और सारा सामान बिखरा हुआ था। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग जुट गए और फिर जानकारी पाकर पुलिस पहुंच गई। डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर छानबीन की। डीसीपी नगर दीपक भूकर, एसीपी बैरहना पुष्कर वर्मा भी पहुंचे। परिजनों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली। सचिन के अनुसार घर से 15 लाख रुपये और उसकी पत्नी के गहने जो करीब पांच लाख के थे गायब हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सुबह दिया था चंदा, दोपहर में घूमते दिखे थे दोनों संदिग्ध

मृतका के पति मनीराम ने पुलिस को बताया कि दो युवक पिछले तीन दिन से मुहल्ले में घूम–घूमकर चंदा मांग रहे थे। वह श्रावण मास में पूजा कराने की बात कहकर चंदा मांग रहे थे। रविवार सुबह साढ़े नौ बजे वह फिर मुहल्ले में आ गए थे। उनका दरवाजा भी उन लोगों ने खटखटाया था, जिस पर उन्होंने 51 रुपये चंदा भी दिया। इसके बाद वह दुकान चले गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गली के बाहर लगे एक सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से पता चला है कि दोपहर में फिर यही दोनों युवक मृतका के घर के आसपास घूमते देखे गए। उन्हें ही मुख्य संदिग्ध मानकर खोजबीन की जा रही है।

क्या कहते हैं अधिकारी

घटना के संबंध में डीसीपी नगर दीपक भूकर ने बताया कि मृतका के सिर पर चोट के निशान हैं। भारी चीज से वारकर हत्या की आशंका है। घर से कुछ गहने गायब होने की बात परिजनों ने बताई है। नकदी की लूट की जानकारी नहीं दी है। तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा। जांच पड़ताल की जा रही है।

टीका लगने के बाद दो महीने के बच्चे की मौत

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में दो महीने के मासूम की टीके का इंजेक्शन लगते ही हालत बिगड़ गई। घंटे भर के अंदर उसकी जान चली गई। मां की गोद में मासूम ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने एएनएम पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए शिकायत की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वहीं सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि कुल नौ बच्चों को टीका लगाया गया था। मासूम की मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चल पाएगी। सरायममरेज थाना क्षेत्र के दुघरा गांव के रहने वाले अभिमन्यु शर्मा अपने दो महीने के बेटे का टीकाकरण कराने के लिए पंचायत भवन गए थे। जहां मौजूद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनूपुर सरायपीथा में तैनात एएनएम ने टीका लगाया। तो कुछ देर बाद ही मासूम की हालत बिगड़ने लगी। घंटे भर में मासूम की मौत हो गई। परिजनों ने एएनएम पर गलत इंजेक्शन लगाने और लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए सरायममरेज थाने में तहरीर के साथ ही स्वास्थ्य महकमे में भी शिकायत की है। सूचना पर पुलिस ने बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीएचसी अधीक्षक धनूपुर डॉ. पीके मिश्रा का कहना है कि एएनएम सुषमा ने कुल नौ बच्चों का टीकाकरण किया है। जिसमें एक बालक की मौत की बात सामने आई है। एएनएम पर टीकाकरण में गड़बड़ी का आरोप है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

प्रयागराज में संपूर्ण समाधान दिवस में टीन पीटने लगा फरियादी

आत्मदाह का प्रयास किया, तहसील का चक्कर काटते–काटते थक गया, नहीं हो रही सुनवाई

मेजा। प्रयागराज के मेजा तहसील परिसर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर एक फरियादी के अजीबो–गरीब कारनामे से अफसरों की नींद उड़ गई। परिसर में फरियादी द्वारा टीन पीटने से हड़कंप मच गया। समस्या की सुनवाई ना होने को लेकर फरियादी ने अफसरों का ध्यान भटकाने के लिए यह कारनामा किया। बता दें कि तहसील का बार–बार चक्कर लगाने के बाद भी सुनवाई न होने पर किसान सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस में आत्मदाह करने के लिए पहुंच गया। पहले उसने डंडे से टीन बजाकर अपनी व्यथा बताई।

इसके बाद झोले से पेट्रोल भरी बोतल निकाली। यह देखकर वहां मौजूद अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के हाथ–पांव फूल गए। वह आत्मदाह का प्रयास करने लगा। लोगों ने किसी तरह से समझा बुझाकर उसे शांत किया। मेजा तहसील में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया था। सभी अधिकारी मौके पर लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान एक फरियादी टीन लेकर पहुंचा और लोगों का ध्यान खींचने के लिए डंडे से पीटने लगा। लोग जब उसकी तरफ मुखातिब हुए तो उसने अपनी व्यथा लोगों को बताई। इसके बाद उसने झोले से पेट्रोल से भरा बोतल निकाल लिया और आत्मदाह करने का प्रयास करने लगा। इससे मौके पर खलबली मच गई। सारे अधिकारी उसके पास पहुंच गए। लोगों ने किसी तरह से बीच बचाव करके उसे शांत किया। किसान का आरोप है कि हतबंदी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी उसे कब्जा नहीं दिलाया जा रहा है। वह तहसील का चक्कर काटते–काटते थक गया लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हो रही है। जिसके बाद उसके पास आत्महत्या के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं बचा है। अधिकारियों ने समस्या का निस्तारण जल्द कराने का आश्वासन देकर उसको शांत कराया।

प्रयागराज में महिला ने दिया तीन बच्चों को जन्म

बिना ऑपरेशन जज्जा–बच्चा सभी स्वस्थ, डॉक्टरों ने कहा– भारत में ये दुर्लभ

मेजा। प्रयागराज में एक गर्भवती महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया। डॉक्टर इसे जहां दुर्लभ मामला बता रहे हैं, वहीं परिजन बहुत खुश हैं। डिलीवरी के बाद तीनों बच्चे और उनकी मां पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि 6 मिनट के दौरान तीन बच्चों का जन्म हुआ। डॉ. भारत शर्मा का कहना है कि भारत में एक साथ तीन बच्चों को जन्म देने की घटनाएं हजारों में एक होती है। मेजा के नेवढ़िया गांव की प्रीति तिवारी(27) पत्नी पंकज तिवारी ने तीन स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया। इसमें 2 बेटा और एक बेटी है। जन्म देने वाली मां प्रीति तिवारी और तीनों नवजात स्वस्थ हैं। प्रीति के देवर अनुराग तिवारी ने बताया कि 2 साल पहले एक बच्चे की जन्म के बाद मौत हो गई थी। बीते दो सालों से नैनी के हयात अस्पताल में डॉ. सादिया अशरफ से इलाज करा रही थीं। डॉ. सादिया की सलाह पर 8 वां महीना चढ़ने के 10 दिन पहले ही महिला को वात्सल्य अस्पताल में एडमिट कराया गया।

संक्षिप्त

वेदांता के एक अरब डॉलर के क्यूआईपी में गोल्डमैन सैश, मॉर्गन स्टेनली शीर्ष निवेशकों में

नयी दिल्ली । खनन समूह वेदांता लिमिटेड ने 440 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 19.31 करोड़ इक्विटी शेयरों के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए 8,500 करोड़ रुपये (1 अरब डॉलर से अधिक) जुटाए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 19 जुलाई को बंद हुए इस निर्गम में 461.26 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर 4.61 प्रतिशत की छूट दी गई थी। वेदांता ने कहा कि उसने 19.31 करोड़ शेयर बेचकर 8,500 करोड़ रुपये जुटाए। क्यूआईपी के माध्यम से जिन प्रमुख निवेशकों को इक्विटी शेयर आवंटित किए गए हैं। उनमें अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए), गोल्डमैन सैश एएमसी, निप्पॉन म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, यूटीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला म्यूचुअल फंड और मिराए म्यूचुअल फंड शामिल हैं। निप्पॉन म्यूचुअल फंड द्वारा संचालित विभिन्न कोष को कुल निर्गम आकार का 9.11 प्रतिशत आवंटित किया गया, जबकि मॉर्गन स्टेनली और एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा प्रबंधित कोषों को क्रमशः 8.62 प्रतिशत और 7.88 प्रतिशत प्राप्त हुआ। इस अवसर पर वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने बयान जारी कर कहा, "वेदांता क्यूआईपी को मिली जबर्दस्त प्रतिक्रिया वैश्विक निवेशक समुदाय के वेदांता में, हमारी अद्वितीय विश्व–अग्रणी परिसंपत्तियों के सेट, परिचालन और लागत उत्कृष्टता के लिए हमारी खोज, और हमारी रणनीतिक भविष्य की विकास परियोजनाओं की मजबूती में अत्यधिक विश्वास को रेखांकित करती है। क्यूआईपी में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई), म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों और अन्य निवेशकों की ओर से उल्लेखनीय रुचि देखी गई। वेदांता की निदेशक समिति ने इस निर्गम के लिए 461.26 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य के साथ 15 जुलाई, 2024 को क्यूआईपी खोलने की अनुमति दी। कंपनी ने बयान में कहा कि क्यूआईपी से प्राप्त राशि का उपयोग वेदांता लिमिटेड के बही–खाते को बेहतर बनाने और निकट भविष्य में कंपनी के 10 अरब डॉलर के कर पूर्व आय के लक्ष्य को प्राप्त करने में किया जाएगा।

उद्योग का दर्जा, जीएसटी रियल एस्टेट डेवलपर्स के लिए बजट की मुख्य चिंता

नोएडा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रियल एस्टेट डेवलपर को उम्मीद है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में उनके क्षेत्र को 'उद्योग' का दर्जा दिया जाएगा, ताकि उन्हें कोष तक आसान पहुंच मिल सके और सीमेंट पर 28 प्रतिशत कर सहित जीएसटी से जुड़ी समस्याओं का समाधान हो सके। डेवलपर सरकार से वित्तीय प्रोत्साहनों के रूप में आगे भी समर्थन की मांग कर रहे हैं। इसमें आगामी बजट में मजबूत नियामक ढांचे, सुव्यवस्थित अनुमोदन प्रक्रिया के माध्यम से पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उद्योग संगठन क्रेडाई के पश्चिमी उत्तर प्रदेश सचिव दिनेश गुप्ता ने कहा कि कर प्रोत्साहन, बेहतर कर ढांचे और एकल खिड़की मंजूरी नीति के साथ रियल एस्टेट क्षेत्र को बढ़ावा देने से घरेलू और विदेशी दोनों स्रोतों से और अधिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। भूटानी समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष भूटानी ने कहा कि देश के रियल एस्टेट क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान यूरोप या चीन की तुलना में काफी कम है और उन्होंने इसे 2047 तक 30 प्रतिशत तक ले जाने की वकालत की। इरोस ग्रुप के निदेशक अवनीश सूद ने कहा कि रियल एस्टेट को उद्योग का दर्जा मिलना और किफायती आवास के लिए प्रोत्साहन मिलना प्रमुख अपेक्षाएं हैं। मिगसन समूह के प्रबंध निदेशक यश मिगलानी ने कहा कि प्रमुख उपभोग्य वस्तु सीमेंट पर जीएसटी 28 प्रतिशत है, जो कुल सीमेंट लागत का लगभग एक तिहाई है। यह एक बड़ी चिंता का विषय है। इसबीच रियल एस्टेट परामर्श कंपनी एनारॉक ने कहा है कि अप्रैल–जून तिमाही के दौरान भूमि अधिग्रहण धीमा रहा और इस अवधि के दौरान 325 एकड़ भूमि के केवल 25 सौदे ही पूरे हुए। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण ऊंची कीमतें और आम चुनाव थे। इसके विपरीत, एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 29 भूमि सौदे हुए थे, जिनमें 721 एकड़ भूमि शामिल थी। एनारॉक ने बताया कि आम चुनावों और भूमि की बढ़ती कीमतों के कारण 2024 की दूसरी तिमाही में डेवलपर्स और अन्य संस्थाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की इच्छा कम हो गई है।

बिजली क्षेत्र के लिए कोयले की कोई कमी नहीं, केंद्र माँग को पूरा करने को प्रतिबद्ध : जी किशन रेड्डी

कोलकाता। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा है कि बिजली क्षेत्र के लिए कोयले की 'कोई कमी' नहीं है और केंद्र मांग को पूरा करने के लिए शुष्क ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया और वाणिज्यिक खदानों की उत्पादकता बढ़ाकर दीर्घकालिक मांग को पूरा किया जाएगा। कोयला एवं खान मंत्री रेड्डी ने पीटीआई–से कहा, "हम सभी ताप विद्युत संयंत्रों को कोयला उपलब्ध करा रहे हैं। हमने आयातित कोयले पर आधारित संयंत्रों से अनुरोध किया है कि वे अपनी तकनीक बदलकर घरेलू ईंधन का उपयोग करें। देश में कोयले की कोई कमी नहीं है।" कोयला उत्पादन में आमतौर पर मानसून के मौसम में बाधा आती है। उन्होंने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि वाणिज्यिक खदानों से संबंधित कुछ तकनीकी मुद्दों का समाधान किया जा रहा है। घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों के लिए चार प्रतिशत आयातित कोयला मिश्रण से संबंधित बिजली मंत्रालय की सलाह पर मंत्री ने कहा कि कोल इंडिया सफलतापूर्वक उत्पादन बढ़ा रही है, लेकिन मिश्रण की सलाह 'बिजली की मांग में अचानक वृद्धि के कारण 'ब्लैकआउट' के जोखिम को कम करने' के लिए दी गई है। इस महीने की शुरुआत में कोयला मंत्रालय के नामित प्राधिकरण ने परिचालन और गैर–परिचालन दोनों प्रकार की निजी और वाणिज्यिक कोयला खदानों की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की थी।

विराट कोहली के साथ रिश्तों पर बोले गौतम गंभीर, यह टीआरपी के लिये अच्छा, हम भारत और 140 करोड़...

गंभीर से विराट कोहली के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा गया, इस पर उन्होंने कहा कि कोहली के साथ उनका बहुचर्चित रिश्ता टीआरपी के लिये नहीं बल्कि उन दोनों के बीच है और आने वाले समय में दोनों एक लक्ष्य के लिये ही काम करने वाले हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम (आईसीटी) के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालने के बाद गौतम गंभीर ने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा विराट कोहली के साथ गंभीर के रिश्तों को लेकर रही। इसका बड़ा कारण यह है कि गंभीर और कोहली अच्छे दोस्त नहीं रहे और यह आईपीएल में दोनों के बीच कई बार टकराव से स्पष्ट है। गंभीर से विराट कोहली के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा गया, इस पर उन्होंने कहा कि कोहली के साथ उनका बहुचर्चित रिश्ता टीआरपी के लिये नहीं बल्कि उन दोनों के बीच है और आने वाले समय में दोनों एक लक्ष्य के लिये ही काम करने वाले हैं। भारतीय कोच ने कहा कि टीआरपी के लिए अच्छा है लेकिन मेरा रिश्ता सार्वजनिक नहीं है।श मैं विराट कोहली के साथ किस तरह का रिश्ता साझा करता हूं मुझे लगता है कि यह दो परिपक्व व्यक्तियों के बीच है। उन्होंने कहा कि मैदान पर, मैंने पहले भी कई बार कहा है, हर किसी को अपनी टीम के लिए, अपनी जर्सी के लिए लड़ने का अधिकार है और विजयी ड्रेसिंग रूम में वापसी करना चाहते हैं। लेकिन फिलहाल, हम भारत और 140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और मुझे यकीन है कि हमें एकमत होना होगा और भारत को गौरवान्वित करने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा, ष्मैं मैदान के बाहर (कोहली के साथ) बहुत अच्छे रिश्ते साझा करता हूं और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। लेकिन हां, इसे और अधिक सार्वजनिक करने के लिए कि मैं किस तरह का रिश्ता साझा करता हूं, मुझे लगता है कि यह दो व्यक्तियों के बीच है। इस बीच, गंभीर ने श्रीलंका दौरे के लिए भारत के सपोर्ट स्टाफ की भी पुष्टि की। गंभीर जहां कोचिंग स्टाफ के प्रमुख होंगे, वहीं अभिषेक नायर टीम के सहायक कोच होंगे। साईराज बहुतुले अंतरिम गेंदबाजी कोच के रूप में यात्रा करेंगे। टी दिलीप टीम के फील्डिंग कोच बने रहेंगे और रयान टेन डोशेट कोलंबो में टीम से जुड़ने वाले हैं।

इंग्लैंड की जीत से डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस दिलचस्प, जानें भारत की स्थिति का हाल

दूसरे टेस्ट में 385 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 143 रनों पर ही सिमट गई। जिसके बाद तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड टीम 2–0 से आगे है। बेन स्टोक्स की अगुवाई में शुक्रवार को बर्मिंघम में शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट में जीतकर वेस्टइंडीज का क्लीन स्वीप करने का मौका है। इंग्लैंड ने रविवार को नॉटिंघम में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 241 रनों से बेहतरीन जीत हासिल की। इसके साथ ही आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में निचले पायदान से छलांग लगा दी है। अब वह अगले साल लॉर्ड्स में फाइनल खेलने की रेस में बनी हुई है। मेजबान टीम ने चौथे दिन 3 मैचों की सीरीज पर कब्जा कर लिया। इसमें स्पिनर शोएब बशीर (5/41) ने अपने करियर में तीसरी पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई है। वहीं दूसरे टेस्ट में 385 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 143 रनों पर ही सिमट गई। जिसके बाद तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड टीम 2–0 से आगे है। बेन स्टोक्स की अगुवाई में शुक्रवार को बर्मिंघम में शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम टेस्ट में जीतकर वेस्टइंडीज का क्लीन स्वीप करने का मौका है। दूसरे टेस्ट में जीत से इंग्लैंड को वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप की तालिका में भी बढ़त हासिल करने में मदद मिली। वह इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज को पीछे छोड़कर मौजूदा तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं भारत शानदार स्थिति में है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया पहले नंबर पर काबिज है। लगातार तीसरी बार फाइनल खेलने की संभावना प्रबल है। इंग्लैंड के मौजूदा साइकल में 12 टेस्ट मैचों में 31.25 प्रतिशत पीटीसी है। उसके अभी भी इस साल के अंत तक 10 टेस्ट मैच और बचे हुए हैं। इंग्लैंड की पीसीटी 62.5 प्रतिशत तक हो सकती है।

वेस्टइंडीज की स्थिति

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के आखिरी टेस्ट के बाद, इंग्लैंड अगले महीने के अंत में घरेलू सरजमीं पर तीन टेस्ट के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा। फिर अक्टूबर में पाकिस्तान और नवंबर और दिसंबर में न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएगा, जहां उसे तीन मैचों की सीरीज खेलनी है। इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में हार के बाद वेस्टइंडीज 22.22 प्रतिशत पीसीटी के साथ तालिका में नौवें स्थान पर है। उसके अभी इंग्लैंड (1), दक्षिण अफ्रीका (2), बांग्लादेश (2) और पाकिस्तान के खिलाफ सात टेस्ट मैच खेलने हैं।

बजट 2024 : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बनाएंगी नया रिकॉर्ड, मोरारजी देसाई हो जाएंगे पीछे

पहले बजट पेश करने का समय शाम 5 बजे था। हालाँकि, तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने 1999 में बजट प्रस्तुति के लिए 11 बजे का समय चुना था, जो अब तक जारी है। लोकसभा सचिवालय के पास उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि ऐसे उदाहरण हैं जब वित्त मंत्री ने नहीं बल्कि प्रधानमंत्री ने आम बजट पेश किया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को संसद में अपना सातवां बजट पेश करते हुए सबसे अधिक केंद्रीय बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाएंगी और पूर्व वित्त मंत्री मोरारजी देसाई के छह बजट के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी। देसाई प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के अधीन वित्त मंत्री थे और बाद में वह 1977 में भारत के प्रधान मंत्री बने। स्वतंत्र भारत का पहला बजट 26 नवंबर 1947 को तत्कालीन वित्त मंत्री आरके शनमुगम चेट्टी ने 197.1 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। पिछले वित्तीय वर्ष में यह बढ़कर ध्47.65 लाख करोड़ हो गया। पहले बजट पेश करने का समय शाम 5 बजे था। हालाँकि, तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने 1999 में बजट प्रस्तुति के लिए 11 बजे का समय चुना था, जो अब तक जारी है। लोकसभा सचिवालय के पास उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि ऐसे उदाहरण हैं जब वित्त मंत्री ने नहीं बल्कि प्रधानमंत्री ने आम बजट पेश किया। लोकसभा के एक दस्तावेज़ में कहा गया है, ष्भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने प्रधान मंत्री के रूप में कार्य करते हुए और अस्थायी रूप से वित्त पोर्टफोलियो को संभालते हुए वित्तीय वर्ष 1958–59 के लिए बजट पेश किया।ष वित्त मंत्री मोरारजी देसाई के इस्तीफे के बाद प्रधान मंत्री के रूप में कार्य करते हुए इंदिरा गांधी ने वित्त वर्ष 1969–70 के लिए बजट पेश किया। दस्तावेज़ में कहा गया है, 2019 में, "तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली के खराब स्वास्थ्य के कारण, उस वर्ष का बजट उनके सहयोगी मंत्री पीयूष गोयल द्वारा पेश किया गया था।" रेलवे एकमात्र ऐसा मंत्रालय था जिसका अपना अलग बजट था, लेकिन 2017 में इसे आम बजट में मिला दिया गया। लोकसभा में बजट पेश होने के बाद, वित्त मंत्री राज्यसभा में बजट दस्तावेज भी पेश करते हैं – भले ही उच्च सदन के पास बजट को मंजूरी या अस्वीकार करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। बजट चर्चा के बाद मंत्रालय–विशिष्ट आवंटन या अनुदान की मांग पर बहस होती है। अनुदान की मांगों पर चर्चा के अंत में, ऐसी सभी मांगों को एक साथ लिया जाता है और गिलोटिन नामक प्रक्रिया से पारित किया जाता है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, राज्यसभा के पास बजट में बदलाव करने या अस्वीकार करने की शक्ति नहीं है। उच्च सदन में बजट पर बहस के बाद सदन बजट को लोकसभा के पास भेजता है।

क्रिकेट में खुलेआम भ्रष्टाचार, आरोपों की लंबी लिस्ट के साथ ICC को लिखी गई चिट्ठी

टी20 वर्ल्ड कप 2024 की मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका ने की थी, लेकिन अब उसके करीब एक महीने बाद ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। अमेरिका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष वेणु पिसिके और उनकी टीम पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों में कहा गया है कि उन्होंने अपनी पावर का अनैतिक तरीके से दूसरों के खिलाफ इस्तेमाल किया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार यूएसए क्रिकेट के डायरेक्टर कुलजीत सिंह, अर्जुन सोना और पैट्रिशिया विटटेकर ने आईसीसी को इस संबंध में ईमेल भेजा है। दरअसल, आईसीसी को भेजे गए ईमेल में वेणु पिसिके पर आरोप हैं कि उन्होंने अन्य डायरेक्टर्स के लिए वातावरण को मुश्कल बनाने का प्रयास किया है। साथ ही सीईओ नूर मुराद को अनैतिक तरीके से बर्खास्त भी करवाया है। ईमेल में बताए गए बिंदुओं में असंवैधानिक तरीके से की गई नियुक्तियों का भी जिक्र है, ये भी आरोप हैं कि पिसिके ने अवैध रूप से चुनावी लाभ की लालसा रखते हुए संवैधानिक संशोधन किया और भ्रष्टाचार भी किया है। ये मामला यहीं शांत नहीं हो जाता क्योंकि आईसीसी को लिखी गई चिट्ठी में डायरेक्टर और उसके अलावा छोटे पदों पर मौजूद लोगों को नौकरी से निकालने की धमकी देने का भी जिक्र है। चिट्ठी में एक स्टेटमेंट भी मौजूद है, जिसमें बताया गया है कि हम छोटे पदों पर मौजूद लोगों को घेर कर नौकरी छोड़ने का दबाव बनाया जा रहा है। अगर हमने उनकी बात न मानी तो हमारे खिलाफ कड़ा एक्शन लिए जाने की धमकी दी गई है। यहां तक कि साल 2023 से विटटेकर को हटाए के कई प्रयास किए जा चुके हैं।

निजी फायदा पाने का प्रयास

चिट्ठी में लंबे–चौड़े आरोपों की सूची में ये भी बताया गया है कि सदस्यता प्रबंधन कंपनी के चयन में भी भ्रष्टाचार किया गया है। इसके लिए केवल 3 कंपनियों को प्रस्ताव भेजा गया, जिनमें एक कंपनी का मालिक यूएसए क्रिकेट चेयरमैन वेणु पिसिके का अच्छा दोस्त है। ईमेल के अंदर एक अन्य स्टेटमेंट में जिक्र है कि चेयरमैन और उनकी टीम पूरे सिस्टम को भ्रष्ट बनाने का प्रयास कर रही है और इसका सीधा उद्देश्य निजी लाभ पाना है।

टीम इंडिया में मोहम्मद शमी की वापसी कब होगी? चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने दिया जवाब

श्रीलंका दौरे से पहले टीम इंडिया के नए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर मीडिया से मुखातिब हुए। इस दौरान जब उनसे मोहम्मद शमी की वापसी को लेकर सवाल किया गया तो अजीत अगरकर ने शमी की फिटनेस पर बड़ा अपडेट दिया। बता दें कि, शमी 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद ही टीम से बाहर चल रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने घुटने की सर्जरी भी कराई थी, वह फिलहाल रिकवरी मोड पर है। अजीत अगरकर ने मोहम्मद शमी के कमबैक पर कहा कि,

मोहम्मद शमी ने गेंदबाजी शुरू कर दी है जो एक अच्छा संकेत है। 19 सितंबर को पहला टेस्ट है और हमेशा यही लक्ष्य था। मुझे नहीं पता कि उसकी रिकवरी टाइमलाइन क्या है, इस बारे में एनसीए के लोगों से पूछना होगा। अभी बहुत सारे टेस्ट मैच होने हैं। हमें कुछ गहराई की आवश्यता होगी। बुमराह, शमी, सिराज कुछ समय से खेल रहे हैं, ये स्पष्ट हैं। लेकिन इसके बारे में कुछ बातचीत होगी। बहुत सारा प्रथम श्रेणी क्रिकेट आने वाला है इसलिए हम ऐसे खिलाड़ियों को तैयार कर सकते हैं। भारत को आने वाले समय में पहला टेस्ट 19 सितंबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। अजीत अगरकर को उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शमी वापसी कर सकते हैं। वहीं अगर शमी बांग्लादेश के खिलाफ वापसी नहीं कर पाते तो उनके पास अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच की टेस्ट सीरीज में वापसी करने का मौका होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ वापसी कर शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले खुदको तैयार कर सकते हैं साल के अंत में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

सम्पादकीय.....

खींचतान की जगह मंथन करें नेता

लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद ही भाजपा में खींचतान मच गई है। इस खींचतान का असर उत्तर प्रदेश में ज्यादा दिख रहा है। उधर राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने सुपरमैन और स्वंय को भगवान बनाने वाले बयान देकर अप्रत्यक्ष रूप से बड़ा इशारा कर दिया है। कहने का मतलब यह कि भाजपा को लोकसभा में बड़े बड़े दावे के विपरीत जो सीटें हासिल हुई उसके कारणों का पता लगाकर उन कारणों पर कार्य करना चाहिए ना कि आपसी खींचतान की राह पर चलना चाहिए। यह सच है कि अति उत्साह, आयातित नेताओं और चटुकारों, नौकरशाहों की शह पर चलने वाली भाजपा ने अपने पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और वीआईपी कल्चर की राह पर चलकर अपने पतन का रास्ता स्वंय तैयार किया। अब जो कुछ भाजपा के अन्दर चल रहा है उसे किसी भी हालत में भाजपा के लिए लाभकारी नही माना जा सकता। अगर अन्दर चल रही खींचतान की खबरों को सच माना जाए तो आने वाले समय में भाजपा के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी होने वाली है। रोजगार और महंगाई को दरकिनार कर जिस तरह से भाजपा नेतृत्व और भाजपा की राज्य और केन्द्र की सरकार फर्जी दावें, आंकड़े और बयान देती रही उसका खमीयाजा उसें लोकसभा चुनाव में भोगना पड़ा। अब जो खींचतान चल रही है उसका खामियाजा उसे यूपी के उपचुनाव और आने वाले विधानसभा चुनावों में दिखाई पडेगा। लोकसभा चुनावों में अपेक्षा से कमजोर प्रदर्शन के बाद भाजपा में आत्ममंथन के नाम पर जो कुछ हो रहा है, वह इस दल के लिए शुभ संकेत नहीं। वैसे तो लोकसभा चुनावों में भाजपा को कई राज्यों में नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन उत्तर प्रदेश के नतीजे उसके लिए खासे आघातकारी रहे और शायद इसी कारण इस राज्य से ही लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं, जो यह बताती हैं कि सरकार और संगठन के स्तर पर सब कुछ ठीक नहीं। पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर भी अनुमान के घोड़े दौड़ाए जा रहे हैं। ऐसा केवल इसलिए नहीं हो रहा है कि उत्तर प्रदेश भाजपा के नेता केंद्रीय नेतृत्व से मिल रहे हैं, बल्कि कुछ नेताओं के ऐसे बयानों से भी हो रहा है, जो सार्वजनिक रूप से नहीं दिए जाने चाहिए थे। यह भी उल्लेखनीय है कि बीते दिनों दोनों उपमुख्यमंत्री मुख्यमंत्री की बैठक से अनुपस्थित रहे। यह महज दुर्योग नहीं हो सकता कि हाल के समय में यह दूसरी बार है, जब दोनों उपमुख्यमंत्री मुख्यमंत्री की बैठक में नहीं गए। यदि उत्तर प्रदेश में सरकार और संगठन में बदलाव को लेकर मीडिया में अटकलबाजी जारी है, तो इसके लिए भाजपा नेताओं की गतिविधियां ही अधिक उत्तरदायी हैं। केंद्रीय नेतृत्व को यह बुनियादी बात समझनी होगी कि यदि उत्तर प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चा का बाजार गर्म रहता है तो इससे पार्टी को नुकसान ही उठाना पड़ेगा। ऐसे में भाजपा नेतृत्व को नाराज नेताओं को बैठाकर बॉतचीत करने के साथ अपने नेताओं की अनावश्यक बयानबाजी पर रोक लगानी होगी, अन्यथा जनता को यही संदेश जाएगा कि उन्हें किसी का संरक्षण मिल रहा है। क्या यह विचित्र नहीं कि जो भाजपा अपने अनुशासन और पार्टी के प्रति नेताओं के समर्पण के लिए जानी जाती है, उसमें अनुशासनहीनता घर करती दिख रही है। वैसे भी अगर सरकार और संगठन में कोई परिवर्तन होने हैं तो वे किए जाने चाहिए, लेकिन घर की बात बाहर लाए बिना। सरकार और संगठन में संभावित परिवर्तन को लेकर अटकलबाजियों का दौर पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल पर बुरा प्रभाव डालने वाला तो है ही, विपक्षी नेताओं को कटाक्ष करने का अवसर देने वाला भी है। उत्तर प्रदेश में शीघ्र ही 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इसे देखते हुए होना तो यह चाहिए कि पार्टी नेता अपने मतभेद भुलाकर एकजुट हों। उनमें एकजुटता होनी ही नहीं चाहिए, बल्कि दिखनी भी चाहिए। फिलहाल ऐसा नहीं है। यदि उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों में भाजपा 33 सीटों पर ही सिमट गई तो इसके लिए केवल राज्य सरकार को दोष देना सही नहीं होगा। इसी तरह केवल संगठन को कठघरे में खड़ा करने से भी बात नहीं बनने वाली। निराशाजनक चुनाव नतीजों के लिए दोनों ही उत्तरदायी हैं और दोनों को अपनी कमजोरी दूर करनी होगी। यही काम केंद्रीय नेतृत्व को भी करना होगा, क्योंकि जो नतीजे आए, उनके लिए कहीं न कहीं वह भी जिम्मेदार है। यही नही उत्तर प्रदेश बीजेपी की रिपोर्ट में पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए छह बुनियादी कारणों की पहचान की गई है। इनमें कथित प्रशासनिक मनमानी,कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष,बार–बार पेपर लीक और सरकारी पदों पर संविदा कर्मियों की नियुक्ति शामिल है. रिपोर्ट में कहा गया है कि संविदा पर होने वाली नियुक्तियों ने विपक्ष की ओर आरक्षण को लेकर खड़े किए गए नैरेटिव को और बल दिया। अगर इन्ही कामियों पर भाजपा के शीर्ष नेता आपसी खींचतान की जगह मंथन कर ले तो भी काफी सुधार हो सकता है। बाकि इतना तो तय है कि प्रशासनिक अफसरों और पुलिस को खुली छूट देने के कारण उत्तर प्रदेश में भाजपा काफी हानि उठानी पड़ी है। वैसे भी भाजपा नेता और गोपामऊ विधायक श्याम प्रकाश, कैपियरगंज विधायक पूर्व मंत्री फतेह बहादूर सिंह, रमेश मिश्रा, पूर्व मंत्री मोती सिंह, एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह के बयान सामने आए है वह इस बॉत का प्रमाण है कि सरकार की कतिपय कायशैली जनहित में नही है। यही आलम सरकारी विभागों का है, सबकुछ जानकार भी नेतृत्व चुप है। विभागों में पुरानी सरकारों जैसा ढर्रा आज भी व्याप्त है। प्रदेश के सरकारी विभागों में कार्य कर रहे चार लाख से अधिक ठेका कर्मी शोषण का शिकार हो रहे है इनकी कोई सुध लेने वाला नही है। यूपी में गुटबाजी नई है, लेकिन अन्य प्राथमिकताओं को लेकर चल रहे केंद्रीय नेतृत्व का जोर फिलहाल समन्वय पर है। हालांकि, जरूरी हुआ तो गुजरात की तर्ज पर सरकार और संगठन की समान सर्जरी के रूप में सामने आ सकता है। उत्तर प्रदेश में 2017 विधानसभा चुनाव में जब भाजपा की प्रचंड बहुमत के साथ जीत हुई और योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बनाए गए तो कुछ समय तक सरकार चलने के बाद से ही सरकार में गुट आकार लेने लगे। सरकार में खुद को उपेक्षित महसूस करने वाले मंत्री, विधायक और संगठन पदाधिकारियों के पैरोकार उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य बताए जाने लगे। ऐसे कई घटनाक्रम भी हुए जब बेलगाम नौकरशाही जनप्रतिनिधियों पर भारी पड़ी। उसी का परिणाम था कि दिसंबर, 2019 में लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर का समर्थन करते हुए सरकार के 100 से अधिक विधायक अपनी ही सरकार के विरुद्ध धरने पर बैठ गए थे।

अनूठे थे ओलंपिया में शुरू हुए प्राचीन ओलंपिक

हरजीत सिंह

प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार जार्ज थामसन के अनुसार तो ओलंपिक में होने वाले खेलों के पीछे यूनानवासियों की नई फसलों की स्वागत दृष्टि थी। जो आगे चलकर फसलों के त्योहार के रूप में मान्य हुई और तभी ओलंपिक विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप जैतून की पत्तियों का ताज पहनाया जाता रहा।

ओलंपिक खेलों का प्रारंभ यूनान के ओलंपिया से हुआ जहां हर चौथे साल आयोजन होता था। उसमें केवल यूनानी हिस्सा लेते थे। इनकी शुरुआत कैसे हुई, इसे लेकर कई मान्यताएं हैं। वहीं ये खेल 426 ई. में प्रतिबंधित किये गये व फिर सदियों बाद साल 1859 में बहाली हुई। फिर विश्व बंधुत्व के मकसद से 1894 में 12 देशों के प्रस्ताव पर हर चार वर्ष बाद ओलंपिक का आयोजन तय हुआ। अंततरू 6 अप्रैल, 1896 को एथेंस में प्रथम आधुनिक ओलंपिक खेल हुए। इस बार ओलंपिक गेम्स 26 जुलाई से पेरिस में हो रहे हैं। अनेक छोटे–छोटे नगर राज्यों के देश यूनान में एक राज्य था एलिस, जिसमें एक गांव था ओलंपिया। ओलंपिया जहां ओलंपिक खेल शुरू हुए ईसा से 776 वर्ष पूर्व, यानि आज से 2767 वर्ष पहले। जनश्रुति के अनुसार ईश्वर पुत्र ज्यूस जब विश्व विजेता बन गया तो उसने इस जीत की खुशी मनाने के उद्देश्य से ओलंपिया गांव का निर्माण किया। इस बात में सच्चाई हो या न हो, किन्तु विश्व के प्राचीन महाकवि होमर के काव्यों इलियड तथा ओडसी में कुछ ऐसे देवी–देवताओं के जिक्र आए हैं जो ओलंपिक खेलों से संबंधित पौराणिक गाथाओं से जुड़े हुए हैं। ओलंपिक खेलों की शुरुआत कैसे हुई यह विवाद का विषय बन सकता है। पर इसका प्रारंभ ओलंपिया नगर से हुआ यह निर्विवाद है। एलिस में ओलंपिक ज्यूस का मेला हर चौथे साल लगा रहता था। ये खेल कैसे शुरू हुए इसे लेकर अनेक मान्यताएं हैं। एक मान्यता के अनुसार, यूनान के सुप्रसिद्ध योद्धा हरक्यूलिस ने जन इजीसिलास नामक राजा को हराया तो विजय की खुशी में इन खेलों की शुरुआत हुई। एक ओर मान्यता के अनुसार यूनानी वक्ताओं ने इन खेलों को शुरू किया। एक विचार यह भी है कि इक्यिाल्टिज के समय में जब प्लेग फैला तो देवताओं को प्रसन्न करने के लिए खेलों की शुरुआत हुई। प्रख्यात ब्रिटिश इतिहासकार जार्ज थामसन के अनुसार तो ओलंपिक में होने वाले खेलों के पीछे यूनानवासियों की नई फसलों की स्वागत दृष्टि थी। जो आगे चलकर फसलों के त्योहार के रूप में मान्य हुई और तभी ओलंपिक विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप जैतून की पत्तियों का ताज पहनाया जाता रहा। इन खेलों में उन दिनों प्रतियोगी सिर्फ वही हो सकते थे जो जन्म से यूनानी हों और जिन्होंने कम से कम दस महीने अभ्यास किया हो और आखिरी एक महीना ओलंपिया में अभ्यास करके बिताया हो। खेलों की यह शर्त भी थी कि खिलाड़ी चरित्रवान और निष्कलंक हो। एक विचित्र नियम यह भी था कि सभी प्रतियोगियों और उनके प्रशिक्षकों को प्रतियोगिता के दौरान वस्त्र–रहित रहना पड़ता था। वास्तव में यह नियम एक स्त्री के कारण ही बना था। प्राचीन ओलंपिक में स्त्रियों के भाग लेने की अनुमति नहीं थी। न ही दर्शक के रूप में और न ही किसी अन्य रूप में। हुआ यह कि एक बार रहडस के एक पूर्व ओलंपिक चौंपियन की पुत्री फेरेनिस अपने पुत्र पिसीरोड्स को ओलंपिक खेलों में भाग लेते देखना चाहती थी। चूंकि विवाहित स्त्रियां खेल नहीं देख सकती थीं इसलिए वह प्रशिक्षक के वेश में वहां गयी, जब पुत्र चौंपियन बना तो वह खुशी के मारे सब कुछ भूल कर उसे गले लगाने दौड़ी, भागने से उसके वस्त्र बिखर गए और लोगों को पता चल गया कि एक स्त्री स्टेडियम में आ गई है। यह बहुत गंभीर अपराध था और इसके लिए कड़े दंड की व्यवस्था थी। मगर फेरेनिस को क्षमा कर दिया गया क्योंकि उसके पिता और भाई ओलंपिक चौंपियन थे और अब उसका बेटा भी चौंपियन बन गया था। उसके बाद यह नियम बन गया कि भविष्य में सभी प्रतियोगी और उनके प्रशिक्षक प्रतियोगिता के दौरान वस्त्र नहीं पहनेंगे। खेलों के कारण ओलंपिया का महत्व काफी बढ़ा। इससे कुछ नगरों–राज्यों में ईर्ष्या भाव भी फैला। उन्होंने इन खेलों को अपने यहां आयोजित करने का प्रयत्न भी किया पर असफल रहे। फिर रोमन साम्राज्य की स्थापना होने पर रोमन सम्राट ओलंपिक खेलों को रोम ले गया, पर साल बाद ही ये खेल अपनी जन्मभूमि लौट गए। रोमन सम्राट किमोउस प्रथम ने तो इन पर प्रतिबंध भी लगाया और ओलंपिया ज्यूस का मंदिर गिरा दिया। सम्राट थियोडस द्वितीय ने तो 426 ई. में ओलंपिक के सारे स्मृति चिन्हों को मिटा देने के राजकीय आदेश भी जारी कर दिए। इसके बाद तो ओलंपिया धरती के नीचे सो गया, सदियों तक वह सोया रहा। इस पर से पर्दा उठा 4 अक्तूबर, 1875 को, जब प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता अर्नेस्ट कार्टियस ने ओलंपिया को खोजा। फिर तो तत्कालीन विचारकों, दार्शनिकों, एसों, वेस्डो, जोहान गाफफील्ड और हटर ने शारीरिक परीक्षण के महत्व को स्वीकार करते हुए उन खेलों को पुनर्जीवित करने की बात कही। ओलंपिक खेलों को नए सिरे से 1859 में आयोजित किया गया, किन्तु तब उसमें यूनानी एथलीटों को ही भाग लेने की अनुमति थी। स्मृतियों के गर्त में विलीन प्राचीन ओलंपिक को फिर से शुरू करने तथा विश्व में बंधुत्व का प्रसार करने के उद्देश्य से फ्रांस के प्रसिद्ध भाषा एवं समाज शास्त्री बोरन पियरे द कुबर्टिन ने उसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने का फैसला किया। उन्होंने 1894 में एक अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस का आयोजन किया, जिसमें 12 प्रमुख देशों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और प्राचीन ओलंपिक की परंपरा के अनुसार हर चार वर्ष बाद ओलंपिक खेलों के आयोजन का निर्णय किया। परिणामस्वरूप 6 अप्रैल, 1896 को नए ओलंपिक का शुभारंभ हुआ। आधुनिक ओलंपिक का पहला आयोजन इस प्रकार एथेंस से शुरू हुआ। पोलिश में जन्मी स्टानिस्लावा वालासिविक्ज, जिन्हें स्टेला वॉल्श के नाम से जाना जाता है, ने 1932 ओलंपिक में महिलाओं के लिए 100 मीटर का स्वर्ण पदक जीता था। स्टेला ने इसके बाद बर्लिन ओलंपिक में रजत पदक जीता। फिर 44 वर्षों बाद, दिसंबर 1980 में, स्टेला क्लीवलैंड में खरीदारी कर रही थी, जब वह एक डकैती की घटना के बीच में फंस गई और उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। शव परीक्षण रिपोर्ट से पता चला कि स्टेला वॉल्श लैंगिक तौर पर पुरुषों के लगभग समान ही थी। अमेरिकी नाविक, जॉन केली सीनियर 3 ओलंपिक स्वर्ण पदक के विजेता थे। उनका बेटा, जॉन केली जूनियर भी एक उत्कृष्ट नाविक था, लेकिन ओलंपिक पदक हासिल करने में असमर्थ रहा। केली जूनियर लंदन (1948) और हेलसिंकी (1952) में पदक चूक गए। मेलबर्न (1956) में अपने अंतिम ओलंपिक की पूर्व संध्या पर, केली जूनियर ने खुद से वादा किया कि वह डाउन अंडर से एक पदक लेकर लौटेंगे, जिसे वह अपनी बहन, प्रसिद्ध फिल्म स्टार, ग्रेस केली को शादी के तोहफे के रूप में पेश करेंगे। वादा एक अच्छा प्रेरक साबित हुआ और फाइनल में केली जूनियर ने तीसरा स्थान जीता। पुरस्कार वितरण समारोह के बाद, केली जूनियर ने पत्रकारों से कहारू 'मैं खुद को भी बधाई देता हूं कि मैंने यह नहीं बताया कि मैं अपनी बहन को कौन सा पदक प्रदान करूंगा।' व्याचेस्लोव इवानोव, 1956 मेलबर्न ओलंपिक में सिंगल स्कल्स के विजेता। उत्साह में उन्होंने स्वर्ण पदक झील में गिरा दिया। पुरस्कार वापस प्राप्त करने के लिए गोता लगाना व्यर्थ साबित हुआ। बाद में, आईओसी ने उन्हें नया पदक दिया। इवानोव ने 1960 और 1964 के ओलंपिक खेलों में भी स्वर्ण पदक जीते। बुल्गारियाई निकोलस प्रदानोव और डायना जोर्गावा ने 23 अक्तूबर, 1964 की सुबह टोक्यो ओलंपिक इतिहास में एक अलग तरह का अध्याय जोड़ा। उन्होंने योयोग के ओलंपिक गांव में ओलंपिक लौ से जलाई गई एक छोटी मशाल के नीचे शादी कर ली। चेक गणराज्य की लंबी दूरी की किंवदंती एमिल जेटोपेक की पत्नी डाना जेटोपेक की भाला फाइनल से पहले एमिल का 5000 मीटर पदक समारोह हुआ। जैसे ही एमिल आगे बढ़ा, डाना उसके पास दौड़ी, उसके पदक का बारीकी से निरीक्षण किया, उसे चूमा और प्रेरणा के लिए उसे अपने बैग में रख लिया। उस दिन बाद में, डाना जाटोपेक ने भाला फेंककर 50. 47 मीटर का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया। फिर, 8 साल बाद रोम में, अपने 38वें जन्मदिन से केवल 18 दिन पहले, डाना जातोपेक ओलंपिक ट्रैक और फील्ड में पदक जीतने वाली सबसे उम्रदराज महिला बन गईं। 53. 78 मीटर की थ्रो के साथ उन्हें रजत पदक मिला। ओलंपिक खेलो के जन्मदाता बोरन कुबर्टिन को 1936 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया था, लेकिन समिति जूरी ने अंतिम सूची में उनका नाम नहीं रखा। इससे बैरन थोड़ा उदास हो गया। बैरन ने एक वसीयत छोड़ी जिसमें लिखा था कि उसके दिल को ग्रीस के ओलंपिया में दफनाया जाए और आईओसी ने उसके अनुसार ही किया जब दो सितंबर 1937 को 77 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। जब 1960 में रोम ओलंपिक में 100 किमी दौड़ के दौरान डेनिश साइकिल चालक नुड जेन्सेन की मृत्यु हो गई, तो लोगों ने सोचा कि सन स्ट्रोक था। लेकिन शव परीक्षण में एम्फैटेमिन और निकोटिनिल टार्ट्रेट, जोकि रक्त परिसंचरण उत्तेजक था, वह पाया गया। ओलंपिक में औषधि परीक्षण 1972 में शुरू किया गया था। 1968 में मेक्सिको ओलंपिक में मोमो वाल्डे के मैराथन स्वर्ण जीतने के एक घंटे बाद, तंजानिया के एक धावक, जॉन स्टीफन अखवारी ने स्टेडियम में प्रवेश किया। वह दौड़ में अंतिम व्यक्ति थे। क्योंकि उनके घुटने में चोट लग गई, लेकिन उन्होंने दौड़ पूरी करने के लिए लड़खड़ाते हुए दौड़ पूरी की। उन्हें अपनी बहादुरी के लिए सहज प्रशंसा मिली। जब उनसे पूछा गया कि इतनी बुरी तरह घायल होने पर भी उन्होंने दौड़ क्यों नहीं छोड़ी, तो अखवारी ने जवाब दिया, 'मेरे देश ने मुझे दौड़ शुरू करने के लिए 5000 मील दूर नहीं भेजा। उन्होंने मुझे दौड़ पूरी करने के लिए 5000 मील दूर भेजा।' 1896 के ओलंपिक स्टेडियम को प्राचीन हेरोड्स एटिकस की नवीनीकृत सुविधा के साथ तैयार किया गया, पर बहुत कुछ अधूरा रह गया था। 333.3 मीटर का ट्रैक आज के 400 मीटर संस्करण की तुलना में काफी छोटा था, जिससे मोड़ बहुत तेज हो गए। साथ ही ट्रैक को किनारे भी नहीं किया गया था और दौड़ को दक्षिणावर्त यानी क्लॉकवाइज चलाया जाना थाय उस समय तक धावकों की आदत के विपरीत। ट्रैक के अनूठे आकार के कारण 200 मीटर दौड़ को रद्द करना पड़ा। सबसे उम्रदराज समग्र पदक विजेता 1908 में, स्वीडन के ऑस्कर स्वान ने अब बंद हो चुकी रनिंग–डियर शूटिंग स्पर्धा में अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता। इस उपलब्धि को उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह थी कि ऑस्कर स्वान उस समय 60 वर्ष के थे। इतना ही नहीं बल्कि साल 1912 में ऑस्कर ने 64 साल की उम्र में इसी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, इस प्रकार वह ओलंपिक इतिहास में सबसे उम्रदराज स्वर्ण पदक विजेता बन गए। 1920 में, 72 वर्ष की आयु में ऑस्कर स्वान ने टीम–शूटिंग स्पर्धा में रजत पदक जीता और ओलंपिक इतिहास में सबसे उम्रदराज समग्र पदक विजेता बन गए। यह भी अंत नहीं था. ऑस्कर ने वास्तव में 76 साल की उम्र में 1924 की स्वीडिश ओलंपिक टीम में जगह बनाई थी, लेकिन खराब स्वास्थ्य के कारण उन्हें घर पर रहना पड़ा। ऑस्कर स्वाहन की मृत्यु 1927 में हुई तब वह 79 वर्ष के थे। 1920 में एंटवर्प ओलंपिक में 3000 मीटर स्टीपलचेज के फाइनल में, ग्रेट ब्रिटेन के पर्सी हॉज पर तब आफत आ पड़ी थी, जब उनके जूते की एड़ी निकल गई। हॉज को रुकना पड़ा। दोबारा दौड़ना शुरू कर सके, इसलिए जूता उतारा, उसे ठीक से पहना और दोबारा बाधा। हालांकि, उनकी कहानी का सुखद अंत हुआ। हॉज ने जीत हासिल की और वह भी 100 मीटर के अंतर से।क्यूबा के एक डाकिया थे फेलिक्स कार्वाजल जो हवाना के सेंटर में एक चल रही प्रदर्शनी के आयोजन में पहुंचे। वहां एकत्रित भीड़ में चारों ओर घूमकर एक संग्रह–कटोरा लेकर अमेरिका जाने के लिए अपनी नाव का किराया इकट्ठा किया। लेकिन नाव यात्रा के दौरान उन्होंने पासों के खेल में अपना सारा पैसा खो दिया।

केन्द्रीय बजट का लक्ष्य हो सामाजिक न्याय और समानता के साथ विकास

नित्य चक्रवर्ती

नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट 23 जुलाई को पेश होने में केवल तीन दिन बचे हैं। अर्थव्यवस्था की बुनियाद अभी भी मजबूत है, लेकिन संकटग्रस्तता के दायरे में बेरोजगारी की बड़ी समस्या शामिल है, जिसमें शिक्षित युवा और महिलाएं सबसे ज्यादा संकट महसूस कर रही हैं। अरबपतियों की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है, जबकि श्रमिकों और ग्रामीण गरीबों की वास्तविक मजदूरी में गिरावट आई है। संक्षेप में, एनडीए के नेतृत्व वाली नरेंद्र मोदी सरकार के दस साल के शासन में हुए आर्थिक विकास में सामाजिक न्याय की कमी और असमानताओं में बढ़ोतरी हुई है। संसदीय लोकतंत्र में किसी भी सरकार के लिए लोकसभा चुनाव जीतने के बाद का पहला बजट वंचितों के जीवन स्तर को सुधारने के उद्देश्य से नीतिगत दिशा को सही करने का बड़ा अवसर देता है। इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था की दो प्रमुख चुनौतियां हैं– बड़े पैमाने पर नौकरियों का सृजन और निम्न आय वर्ग के लोगों की आय में सुधार। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न हितधारकों के साथ बजट–पूर्व परामर्श समाप्त कर लिया है और सभी बैठकों में अतिरिक्त संसाधन जुटाने का सवाल उठा। कहीं भी देश के तेजी से बढ़ते अतिधनाढ्यों को अर्थव्यवस्था में समानता बहाल करने के लिए अतिरिक्त बोझ साझा करने के लिए बाध्य करने पर कोई गंभीर बात नहीं हुई। अतिधनाढ्यों पर कर लगाने के प्रस्ताव पर वैश्विक स्तर पर चर्चा हुई है। इस साल 18 और 19 नवंबर को ब्राजील में होने वाले अगले जी–20 शिखर सम्मेलन में इस मुद्दे पर चर्चा होने क प्रस्ताव है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका दोनों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो जी–20 के पिछले अध्यक्ष थे, ने इस प्रस्ताव पर चुप्पी साधे रखी है, हालांकि वह नवंबर में होने वाले शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और उन्हें इस प्रस्ताव पर भारत की स्थिति के बारे में बात करनी है, जो भारतीय समाज में बहुत तेजी से फैल रही असमानता के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। अतिधनाढ्योंया अरबपतियों पर कर क्या है, जिसकी बात कांग्रेस कर रही है? मुकेशअंबानी परिवार में हाल ही में हुई शादी ने यह दिखा दिया है कि एक अतिधनाढ्य के बेटे की शादी के लिए किस हद तक धन खर्च किया जा सकता है। भारत में अतिधनाढ्य लोगों का 10 खरब डॉलर का विवाह उद्योग है। इनमें उद्योगपति, खिलाड़ी, फिल्मी हस्तियां, तथा बड़े राजनेता शामिल हैं। उनकी शादी के खर्चों की जांच की जानी चाहिए और एक सीमा से अधिक कर लगाया जाना चाहिए। एक अनुमान के अनुसार, भारत में 167 डॉलर–अरबपति हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। दो प्रतिशत कर से 1.5 लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह राशि श्रमिक केन्द्रित परियोजनाओं में रोजगार सृजन सहित अन्य विकास कार्यक्रमों पर खर्च की जा सकती है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. प्रणबबर्धन द्वारा किये गये विश्लेषण के अनुसार, सरकार द्वारा संपन्न लोगों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सब्सिडी को कम करके अतिरिक्त संसाधन उत्पन्न किये जा सकते हैं। भारत में, विरासत और संपत्ति कर शून्य है और संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में पूंजीगत लाभ कर बहुत कम है। कर प्रणाली अभी भी अमीरों की ओर झुकी हुई है। उदाहरण के लिए, कोविडमहामारी के संदर्भ में, मोदी सरकार ने एक ही झटके में कॉर्पोरेट टैक्स की दर कम कर दी और सरकारी खजाने को 18.4खरब रुपये का नुकसान हुआ। कोविड काल में उद्योगपति और अमीर हो गये जबकि श्रमिकों और कर्मचारियों की नौकरियां चली गयीं और उन्हें भीषण गरीबी का सामना करना पड़ा। डॉ. बर्धन का अनुमान है कि 10 खरबरुपये के कोष से भारत में 200 लाख नौकरियां पैदा की जा सकती हैं। वित्त मंत्री निर्मलासीतारमण ने भारत सहित वैश्विक स्तर पर कंपनियों द्वारा कर चोरी पर हाल के अध्ययनों को अवश्य पढ़ा होगा। एडवोकेसी ग्रुप टैक्स जस्टिस नेटवर्क द्वारा 202– के एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया भर के देश टैक्स हेवन के कारण अगले दशक में कर राजस्व में +48खरब (ख–8खरब) तक का नुकसान उठा सकते हैं। इन आश्रयों को वैश्विक कंपनियों के साथ–साथ भारत के कई अमीरों द्वारा संरक्षण दिया जाता है। इस साल की शुरुआत में यूरोपीय संघ कर वेधशाला की एक रिपोर्ट में पाया गया कि दुनिया भर के अरबपतियों पर प्रभावी कर दरें उनकी संपत्ति के 0प्रतिशत से 0.5प्रतिशत के बराबर हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि महामारी के वर्षों के दौरान, जबकि गरीब और अन्य लोग पीड़ित थे और मर गये, परन्तु बड़ी कंपनियों के मुनाफे और अमीर व्यक्तियों की संपत्ति में वृद्धि हुई। वास्तव में महामारी के वर्षों में असमानता और बढ़ गयी। भारत में अतिधनाढ्यों पर विशेष कर लगानाचिरप्रतीक्षित है। इस साल जनवरी में जारी नवीनतम ऑक्सफैमरिपोर्ट सहित सभी हालिया रिपोर्टें दिखाती हैं कि असमानता लगातार बढ़ रही है। महामारी और महामारी के बाद के वर्षों में, सामाजिक सुरक्षा के बिना गरीब लोगों को दयनीय जीवन जीने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जबकि उश्च मध्यम वर्ग और अमीरों की आय में वृद्धि हुई है। असमानता के बढ़ने का भारत में विशेष प्रभाव है क्योंकि आम नागरिकों को पश्चिम और लैटिन अमेरिका और अन्य विकासशील देशों की तरह सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से संरक्षित नहीं किया जाता है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत सिर्फ पाँच हाथों में औद्योगिक संकेन्द्रण की बढ़ती समस्या का सामना कर रहा है, और अरबपतियों, निजी इक्विटीफंडों और क्रोनीकैपिटलिस्टों को समृद्ध कर रहा है, जिससे लोगों में अभूतपूर्व स्तर की असमानताएँ और गरीबी बढ़ रही है। दलितों को निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उश्च और असहनीय आउट–ऑफ–पॉकेट शुल्क, निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वित्तीय बहिष्कार और दोनों में ही खुलेआम भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। विश्व स्तर पर, 2020 से अब तक, सबसे अमीर पाँच लोगों ने अपनी संपत्ति दोगुनी कर ली है, लेकिन इसी अवधि के दौरान लगभग पाँच अरब लोग गरीब हो गये हैं। कठिनाई और भूख रोजमर्रा की सश्चाई है, और मौजूदा दर पर, गरीबी को खत्म करने में 2–0 साल लगेंगे, लेकिन हम सिफर्10 साल में दुनिया का पहला ट्रिलियन डॉलर वाला धनाढ्य हासिल कर सकते हैं। भारत में, जहाँ निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र अब 2–6अरब अमेरिकी डॉलर का है और तेजी से बढ़ रहा है, विश्व बैंक की निजी क्षेत्र की शाखा, अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने देश के कुछ सबसे बड़े कॉर्पोरेट अस्पताल श्रृंखलाओं में सीधे तौर पर आधेअरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जिनके मालिक कुछ सबसे अमीर अरबपति हैं। फिर भी जून 202– में, ऑक्सफैम ने पाया कि आईएफसीने भारत में अपनी स्वास्थ्य परियोजनाओं का एक भी मूल्यांकन प्रकाशित नहीं किया है, क्योंकि ये 25 साल पहले शुरू हुई थीं। भारतीय स्वास्थ्य नियामकों ने कई शिकायतों को बरकरार रखा है, जिसमें अस्पतालों द्वारा अधिक शुल्क लेने, कीमतों में हेराफेरी करने और गरीबी में रहने वाले रोगियों का मुफ्त में इलाज करने से इनकार करने के मामले शामिल हैं, जबकि यह सरकारी जमीन मुफ्ध्त में प्राप्त करने की शर्त है। इसके अलावा, वित्त पोषित 144 अस्पतालों में से केवल एक ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। वर्षों सेऑक्सफैम ने बढ़ती और अत्यधिक असमानता के बारे में चिंता जतायी है। 2024 में, बहुत वास्तविक खतरा यह है कि ये असाधारण चरम नयी सामान्य स्थिति बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉरपोरेट और एकाधिकार शक्ति एक निरंतर असमानता पैदा करने वाली मशीन है, और कहा गया है कि हम एक दशक के विभाजन की शुरुआत के दौर से गुजर रहे हैंरू केवल तीन वर्षों में, हमने एक वैश्विक महामारी, युद्ध, जीवन–यापन की लागत का संकट और जलवायु परिवर्तन का अनुभव किया है।

यूरोपीय शहर बुडापेस्ट में वेकेशन एन्जश्य कर रहीं रवीना टंडन व राशा थडानी, शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

एक्ट्रेस रवीना टंडन अपनी एक्टिंग और स्टाइलिश अंदाज से लाखों लोगों के दिलों पर आज भी राज करती हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं और अपनी और अपने परिवार के साथ खूबसूरत तस्वीर शेयर करती रहती हैं। इन दिनों वह अपनी बेटी राशा थडानी के साथ हंगरी के बुडापेस्ट में वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं, जिनकी तस्वीर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की। रवीना ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के साथ यूरोपीय शहर के खूबसूरत नजारों के बीच पोज देती हुई कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में रवीना ऑलिव ग्रीन को–ऑर्ड सेट में नजर आ रही हैं, और राशा ब्लैक जिपर और मैचिंग जॉगर्स के साथ व्हाइट क्रॉप टॉप में दिखाई दे रही हैं। दोनों ने बालों को खुला छोड़ा है और नो मेकअप लुक को चुना है। दूसरी तस्वीर में मां–बेटी की जोड़ी क्लोज फ्रेंड्स के साथ सेल्फी लेती दिखाई दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में बुडापेस्ट का खूबसूरत नजारा है। चौथी तस्वीर में राशा और उनके दोस्त दिखाई दे रहे हैं। अन्य तस्वीरों में बुडापेस्ट की खूबसूरती और मां–बेटी के बीच का बॉन्ड साफ देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रवीना ने कैप्शन में लिखा, ऑल इन ए डेज वर्क! हैशटैग बुडापेस्ट। इस पोस्ट पर एक्ट्रेस के फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, आप 49 साल की उम्र में भी बहुत खूबसूरत लग रही हैं... रविना ने अनिल थडानी से 22 फरवरी 2004 को उदयपुर में शादी है। कपल के दो बच्चे हैं – बेटी राशा और बेटा रणबीर वर्धन। अनिल थडानी मोशन पिक्चर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी एए फिल्म्स के डायरेक्टर हैं। फिल्म स्टंप्ड के दौरान अनिल की मुलाकात रवीना टंडन से हुई। इस फिल्म के जरिए एक्ट्रेस ने बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया था। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो रवीना ने मीठीबाई कॉलेज से ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की और इस दौरान मॉडलिंग भी शुरू किया। उन्होंने अपने करियर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। रवीना ने 1991 की सलमान खान की एक्शन फिल्म पत्थर के फूल से एक्टिंग की शुरुआत की। उसके बाद से उन्होंने दिलवाले, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, मोहरा, जिद्दी, लाडला, बड़े मियां छोटे मियां, दुल्हे राजा और अनाड़ी नंबर 1 जैसी हिट फिल्मों में काम किया है। हाल ही में, वह कन्नड़ फिल्म केजीएफ चौप्टर 2 में नजर आई, जिसे प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया। होम्बले फिल्म्स के बैनर तले विजय किरागंदूर ने इसका निर्माण किया। इसमें यश, संजय दत्त, श्रीनिधि शेट्टी और प्रकाश राज लीड रोल में नजर आए। वह विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित और अरबाज खान द्वारा निर्मित कानूनी ड्रामा फिल्म श्पटना शुक्लाश में भी नजर आईं। यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है। रवीना जल्द ही वेलकम टू द जंगल और घुड़चढ़ी में नजर आएंगी।

> “
> इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रवीना ने कैप्शन में लिखा, ऑल इन ए डेज वर्क! हैशटैग बुडापेस्ट। इस पोस्ट पर एक्ट्रेस के फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, आप ४९ साल की उम्र में भी बहुत खूबसूरत लग रही हैं... रविना ने अनिल थडानी से २२ फरवरी २००४ को उदयपुर में शादी है। कपल के दो बच्चे हैं – बेटी राशा और बेटा रणबीर वर्धन।

जेनेलिया देशमुख ने अनूठे अंदाज में अपने जिम ट्रेनर को कहा हैप्पी बर्थडे

अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। रविवार को उन्होंने अपने ट्रेनर डैन माइल्स को जन्मदिन की बधाई खास अंदाज में दी। जेनेलिया देशमुख ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में जिम वर्कआउट और वजन घटाने के सफर को दर्शाती थ्रोबैक वीडियो पोस्ट की। थ्रोबैक वीडियो में जेनेलिया ने दिखाया कि ट्रेनिंग के पहले हफ्ते में उनका वजन 59.4 किलोग्राम था, जो दूसरे हफ्ते में घटकर 58.2 और तीसरे हफ्ते में 57.2 किलोग्राम रह गया। वीडियो के कैप्शन में जेनेलिया देशमुख ने लिखा, जन्मदिन की शुभकामनाएं डैन माइल्स। फिटनेस को मेरे लिए इतना महत्वपूर्ण बनाने वाले व्यक्ति होने के लिए आपका धन्यवाद। आशा है कि आपका दिन बेहद खास होगा। जेनेलिया और उनके एक्टर पति रितेश देशमुख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। दिन प्रति दिन का अपडेट और हंसी मजाक से भरे रील्स फैंस के बीच काफी पॉपुलर है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी एक फोटो शेयर की थी। जिसमें उन्होंने गाल पर अपना हाथ रखा हुआ था और तीन आर वाला मेंहदी टैटू फ्लॉन्ट किया था। टैटू के साथ हार्टबीट लाइन भी थी। जिसका सीधा कनेक्शन पति रितेश देशमुख और दो बेटों रियान और राहिल से है। जेनेलिया और रितेश देशमुख कई सालों की डेटिंग के बाद 3 फरवरी 2012 को शादी के बंधन में बंधे थे। उन्होंने मराठी परंपराओं के अनुसार हिंदू रीति–रिवाज से विवाह किया था फिर अगले दिन एक चर्च में ईसाई रीति–रिवाज से शादी की थी।

जाकिर खान की जुबानी, गली के लड़के से लेकर आप सबके दिलों का चहेता बनने तक का सफर

भारत में स्टैंडअप कॉमेडी को पहचान दिलाने वाले जाकिर खान सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। देश ही नहीं बल्कि विदेशों में उनके शोज फुल होते हैं। वह अपनी पंचलाइन श्सख्त लौंडाश से काफी पॉपुलर हुए। जाकिर अब आपका अपना जाकिर शो से टीवी पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने गली के लड़के से लेकर सबके दिलों का चहेता बनने तक के अपने सफर पर बात की। स्टैंडअप कॉमेडियन के साथ–साथ जाकिर खान एक्टर भी हैं। वह हाल ही में वेब सीरीज चाचा विधायक हैं हमारे के तीसरे सीजन में नजर आए थे। अब वह आपका अपना जाकिर के साथ बतौर होस्ट टीवी पर डेब्यू कर रहे हैं। इसे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर जल्द ही टेलीकास्ट किया जाएगा। टीजर में जाकिर का एक कटआउट नजर आ रहा है, इसको ढेर सारी फूलों की माला पहनाई हुई है। इसे देख दो लड़के आपस में बात करते हैं। इस बीच आवाज आती है–2024 में आएगा तो जाकिर हीश, यह सुनकर लड़का अपने दोस्त से पूछता है– जाकिर? कौन जाकिर बे? जवाब देते हुए उसका दोस्त कहता है–आपका अपना जाकिर भैया.. यह सुनकर वह खुश हो जाता है और फिर दोनों बोलते हैं– हम देखेंगे.... इस नए अध्याय के बारे में बात करते हुए जाकिर ने कहा, गली के लड़के से लेकर सबके दिलों का चहेता बनने तक का मेरा सफर शानदार रहा। आज भी, हर पल नया लगता है। मेरे फैंस ने मेरे हुनर को पहचानने और जाकिरिज्म के लिए मुझे जो प्यार और सराहना मिली है, वह शानदार है। उन्होंने कहा, मेरा सपना हमेशा से ही लाइफ एक्सपीरियंस के साथ–साथ खुशियां बांटना रहा है। अब आपका अपना जाकिर के साथ, मैं देश भर के कई घरों में खुशियां लाने के लिए रोमांचित हूं। मैं बस इतना कहना चाहूंगा... मम्मी, मैं टीवी पर आ रहा हूं। यह शो 10 अगस्त से सोनी पर प्रसारित होगा। इसमें अमृता खानविलकर और अल्का अमीन भी हैं। जाकिर ने 2012 में कॉमेडी सेंट्रल के शो श्इंडियाज बेस्ट स्टैंड अपश का खिताब हासिल किया और रातोंरात फेमस हो गए। वह न्यूज कॉमेडी शो ऑन एयर विद एआईबी का हिस्सा रहे। वह रेडियो शो का भी निर्माण कर चुके हैं। उन्हें साल 2017 में मशहूर कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चौलेंज में बतौर मेंटर हिस्सा लेने का मौका मिला। उन्होंने प्राइम वीडियो पर चार घंटे लंबे स्टैंडअप स्पेशलरू हक से सिंगल, कक्षा ग्यारहवीं, तथास्तु और मनपसंद जारी किए हैं। उन्होंने स्टैंड–अप कॉमेडी शो कॉमिकस्तान में जज की भूमिका भी निभाई।

फ्लाइट में अपना ही शो देख रहे कपिल शर्मा ने शेयर किया वीडियो

अपनी मजेदार बातों से सबको हंसने के लिए मजबूर करने वाले स्टैंड–अप कॉमेडियन कपिल शर्मा आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्हें कॉमेडी का किंग कहा जाता है। वह कॉमेडियन होने के साथ, होस्ट, एक्टर, प्रोड्यूसर और डबिंग आर्टिस्ट भी हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। उन्होंने शनिवार को अपने इन–फ्लाइट एंटरटेनमेंट की झलक साझा, जिसमें उन्होंने खुद के शो द कपिल शर्मा शो को एंजॉय किया। कपिल ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक छोटा वीडियो शेयर किया, जिसमें वह फ्लाइट में स्क्रीन पर द कपिल शर्मा शो को देख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपने ट्रेवल डेस्टिनेशन का खुलासा नहीं किया और न ही वीडियो को कोई कैप्शन दिया है। बता दें कि जून में, द ग्रेट इंडियन कपिल शो के मेकर्स ने सेलिब्रिटी कॉमेडी चौट शो के दूसरे सीजन की घोषणा की थी। पिछले सीजन में सुपरस्टार आमिर खान, रणबीर कपूर और उनका परिवार, क्रिकेटर रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर, इंटरनेशनल पॉप आइकन एड शीरन, और फिनाले एपिसोड में कार्तिक आर्यन जैसे स्टार्स शामिल हुए थे, जो फिनाले एपिसोड में दिखाई दिए थे। इस शो में सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, राजीव ठाकुर ने भी परफॉर्म किया। अर्चना पूरन स्थायी गेस्ट हैं। कपिल का जन्म 2 अप्रैल 1981 को अमृतसर में हुआ था। बचपन से ही उन्हें स्टेज शोज और मिमिक्री का शौक था। साल 2007 में कपिल ने कॉमेडी रियलिटी टीवी शो द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चौलेंज जीतकर लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद उन्होंने 2010 में कॉमेडी सर्कस में हिस्सा लिया। कपिल ने 2013 में अपना खुद का शो कॉमेडी नाइट्स विद कपिल लॉन्च किया और 2016 में द कपिल शर्मा शो शुरू किया, जो काफी हिट रहा। शो में बॉलीवुड के कई बड़े सुपरस्टार्स गेस्ट बनकर आए। टीवी शोज के अलावा, कपिल ने फिल्मों में भी किस्मत आजमाई। उन्होंने 2015 में अब्बास मस्तान की फिल्म किस किसको प्यार करूं से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद फिल्म फिरंगी में भी नजर आए। उन्होंने नंदिता दास की फिल्म श्ज्विगाटोश में एक फूड डिलीवरी ब्वॉय की भूमिका निभाई। उन्हें पिछली बार राजेश ए कृष्णन द्वारा निर्देशित और निधि मेहरा तथा मेहुल सूरी द्वारा लिखित कॉमेडी फिल्म क्रू में देखा गया था। इसमें करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन लीड रोल में थीं।

तलाक की अफवाहों के बीच अभिषेक बच्चन पहली बार दिखे, ऐश्वर्या रॉय नहीं दिखी साथ, नेटिज़न्स ने सवाल उठाए

बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय जोड़ी ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन इस समय अपने तलाक की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। इस जोड़े ने अलग होने की खबरों से खूब सुर्खियां बटोरी हैं। इतना ही नहीं, अभिषेक ने तलाक की एक पोस्ट को लाइक करके सभी को चौंका दिया। खैर, इस बीच अभिनेता पहली बार शहर में एक फुटबॉल मैच के दौरान दिखाई दिए। अभिषेक कैजुअल कपड़ों में खिलाड़ियों से बात करते हुए मुस्कुरा रहे थे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ऐश्वर्या राय बच्चन के बिना दिखे अभिषेक बच्चन पैप्स का एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें अभिषेक बच्चन हुडी पहने हुए हैंडसम लग रहे थे। वह खिलाड़ियों से बात करने और दूसरों को गले लगाने में व्यस्त थे। कुछ ही देर में नेटिज़न्स ने कमेंट सेक्शन भर दिया और उनकी पत्नी ऐश्वर्या के बारे में पूछने लगे। खैर, अभिषेक और ऐश्वर्या अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में अलग–अलग पहुंचे। एक यूजर ने लिखा, अच्छा हुआ ऐश्वर्या ने इसको छोड़ दिया चिंटू, दूसरे ने कमेंट किया, अभिषेक हैंडसम और अच्छे एक्टर हैं। खैर, अभिषेक ने तलाक की एक पोस्ट लाइक की, जिसमें लिखा था, जब प्यार आसान नहीं रह जाता। शादीशुदा जोड़े अब अलग हो रहे हैं। उनके इस फैसले की वजह क्या है और ग्रे तलाक क्यों बढ़ रहे हैं? ऐश्वर्या अपनी बेटी आराध्या के साथ अंबानी की शादी के रेड कार्पेट पर चलीं और दोनों ने साथ में तस्वीरें खिंचवाईं।

वहीं, पूरा बच्चन परिवार साथ में पोज देता दिखा। अभिषेक अमिताभ बच्चन, जया बच्चन और श्वेता बच्चन के साथ पहुंचे। अंदर के वीडियो में दिखाया गया कि ऐश्वर्या और आराध्या अभिषेक के साथ फिर से मिल गईं।

स्लिम और फिट रहने के लिए इस रूटीन का करें पालन!

आज कल पतले रहना बेहद मुश्किल है लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आप स्लिम और फिट रहें तो उसके लिए आपको स्वस्थ रूटीन का पालन करना चाहिए। यहां हमने कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दी हैं जिन्हें आप भी अपनी जीवनशैली में जरूर अपनाएं –

1. प्रातःकाल की व्यायाम

रोजाना सुबह उठकर कम से कम 30–45 मिनट की व्यायाम करें। यह दौड़ना, योग या गहरी श्वासायाम हो सकती है।

2. समय पर नाश्ता

सुबह का नाश्ता समय पर करें, जिसमें प्रोटीन और फाइबर युक्त आहार शामिल हो।

3. पानी पिएं

दिन भर में नियमित अंतरालों में पानी पिएं, कम से कम 8–10 गिलास।

4. फल और सब्जी खाएं

अपने भोजन में फल और सब्जियों को शामिल करें, जो कम कैलोरी वाले और पौष्टिक हों।

5. संतुलित भोजन

मीठे और तली हुई चीजें को कम करें, और उचित मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और फैट्स लें।

6. रात का भोजन

रात का भोजन हल्का होना चाहिए, और खाने के बाद अधिक से अधिक दो घंटे का विश्राम लें।

7. नियमित व्यायाम

हफ्ते में कम से कम 5 दिन व्यायाम करें, जैसे चलना, जिम या योगा।

इस रूटीन को अपनाकर आप स्वस्थ और फिट रह सकते हैं।

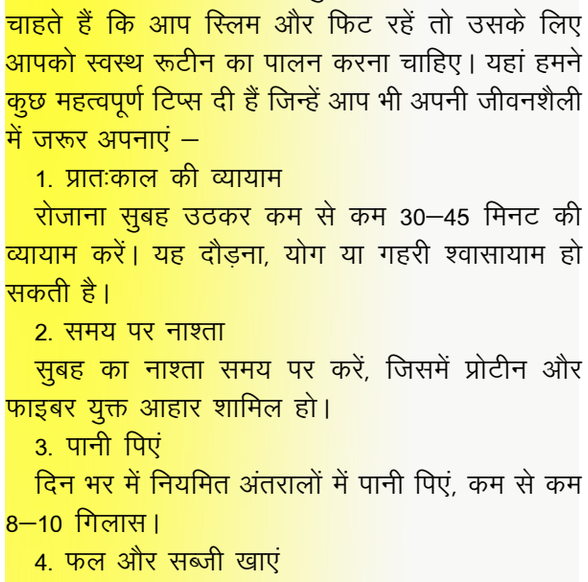

सावन के व्रत के दौरान ओवरईटिंग, भूखा रहना और अन्य गलतियां करने से बचें

इस साल सावन का शुभ महीना 22 जुलाई से शुरू हुआ है। हर साल सावन का महीना भक्तों द्वारा बहुत श्रद्धा और समर्पण के साथ मनाया जाता है। यह शुभ महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस वर्ष, सावन का महीना 29 दिनों तक मनाया जाएगा और यह 19 अगस्त को समाप्त होगा। सावन सोमवार इस महीने के दौरान पड़ने वाले सोमवार हैं, भक्त भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए इन शुभ सोमवारों पर व्रत रखते हैं। इस माह में शुभ घटनाएं भी देखी जाती हैं। इस साल का पहला सावन सोमवार आज (22 जुलाई) है। सावन का हर सोमवार विशेष और शुभ होता है। भक्त सुबह जल्दी उठते हैं और शिव लिंग को दूध, शहद और जल समर्पित करते हैं और भगवान की पूजा करते हैं। भक्त भगवान शिव मंत्रों का भी पाठ करते हैं और समुद्र मंथन की कहानी सुनाते हैं और बताते हैं कि कैसे भगवान शिव ने समुद्र मंथन के दौरान निकले घातक जहर को पीकर सभी को बचाया। जैसा कि हम इस वर्ष के पहले सावन सोमवार का व्रत रख रहे हैं, यहां कुछ गलतियां हैं जिनसे हमें स्वस्थ रहने के लिए बचना चाहिए।

प्याज और लहसुन

सावन के इस महीने में सभी प्रकार के तामसिक खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए। प्याज, लहसुन, अंडे और अन्य मांसाहारी खाद्य पदार्थों से सख्ती से बचना चाहिए।

तले हुए खाद्य पदार्थ

उपवास शरीर को डिटॉक्सीफाई करने और पाचन तंत्र को बढ़ावा देने में मदद करता है। जब हम नमकीन और अन्य स्नैक्स जैसे तले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं, तो इससे पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, जिससे हम कमजोर और अयोग्य हो सकते हैं।

ज्यादा चीनी का सेवन न करें

जब हम व्रत रखते हैं तो शरीर में चीनी की चाहत होना स्वाभाविक है। सावन सोमवार का व्रत रखते समय चीनी का सेवन प्रतिबंधित नहीं है। हालांकि, उपवास रखते समय बहुत अधिक चीनी का सेवन करने से शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ सकता है और हम बीमार पड़ सकते हैं।

ओवरईटिंग

हालांकि व्रत तोड़ने और खाने के बाद भूख लगना हमारे लिए स्वाभाविक है, लेकिन हमें सावधान रहना चाहिए कि हम ज्यादा खाना न खा लें। इससे कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सावन का महीना शांति, भक्ति और शांति का पालन करने का है। बीमार पड़ने से हमारा ध्यान बर्बाद हो सकता है।

भूखे न रहे

उपवास करना और भूखा रहना बिल्कुल अलग है। यह एक आम सोच है कि व्रत रखने के लिए हमें शरीर को भूखा रखना होगा। हालांकि, सच्चाई यह है कि उपवास करते समय हमें शरीर को फिट और स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने चाहिए।

मानसून में बढ़ जाती है फूड पॉइजनिंग, इस रह पहचानकर करें बचाव

मानसून के मौसम में फूड पॉइजनिंग की बढ़ती संभावना एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या है। यह वक्त गर्मी से बारिशों तक का है, जब खाद्य सुरक्षा को बनाए रखना अधिक मुश्किल होता है। मानसून के दौरान बढ़ती हुमीडिटी, भिगोने वाले और भिगो रहे मौसम, और खाद्य पदार्थों के संचयन और प्रसंस्करण की कठिनाई के कारण, बैक्टीरिया और अन्य कीटाणुओं का विकास तेजी से होता है। इस अवस्था में, अप्रत्याशित भोजन, अस्वच्छता, और गलत संचयन के कारण खाद्य संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। इस समस्या से बचाव के लिए, स्वच्छता बनाए रखना, खाद्य पदार्थों को अच्छे से पकाना, शुद्ध पानी का उपयोग करना, और खाद्य संचयन के नियमों का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इन सावधानियों का पालन करने से खाद्य संक्रमण की संभावना को कम किया जा सकता है और व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है।

इस वजह से होती है ये समस्या

नमी

मानसून के मौसम में वातावरण बहुत ही गीला और नमी भरा होता है, जिससे भोजन पदार्थों पर बैक्टीरिया और फंगस का विकास तेजी से होता है।

पानी का प्रदूषण

भारी बारिश से पानी के स्रोतों में प्रदूषण हो सकता है, जो खाद्य पदार्थों को प्रभावित कर सकता है। प्रदूषित पानी का उपयोग भोजन की तैयारी में या सीधे सेवन में खाद्य संक्रमण का कारण बन सकता है।

अच्छी स्वच्छता और हाथों का धोना

बारिश के कारण किचन और खाद्य संभालने के स्थानों में अच्छी स्वच्छता बनाए रखना मुश्किल हो सकता है, जिससे बैक्टीरिया का प्रसार बढ़ सकता है।

अच्छी स्वास्थ्य देखभाल

लक्षण

पेट दर्द

उल्टी

उबकाई

दस्त

बुखार

सिरदर्द

थकावट

बचाव

1. स्वच्छता खाने के तैयारी में स्वच्छता बरतें, हाथों को बार–बार धोएं।

2. सही प्रकार से पकाना भोजन को अच्छे से पकाएं, विशेष रूप से मांस, अंडे और समुद्री खाद्य पदार्थों को।

3. शुद्ध पानी प्राकृतिक और शुद्ध पानी का उपयोग करें, खाने के लिए उपयुक्त बिलकुल साफ पानी का उपयोग करें।

4. ठंडा संचयन खाद्य पदार्थों को सही तरीके से संचित करें, फ्रिज में रखें जब तक वे उपयोग हों।

5. बच्चों और अन्य पदार्थों से दूर रहें अनावश्यक संपर्क से बचें, जैसे कि अनाज, खाद्य उत्पादों, या अन्य संक्रमित वस्तुओं से।

6. बचाव में अपने अस्पताल जाएंरू एक बार अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

फेस मैपिंग के जरिए जान सकते हैं चेहरे पर क्यों निकल हो रहे मुहासे, सेहत से जुड़ी हो सकती है समस्या

कई लोगों के फेस पर मुंहासे निकलते हैं, लेकिन कई बार एक्ने निकलने का कारण समझ नहीं आता होगा। ऐसे में अगर आप बार–बार निकलने वाले दानों से निजात पाना चाहती हैं, तो आप फेस मैपिंग इसमें आपकी मदद कर सकती है। फेस पर मुंहासे या पिंपल्स खत्म करने के लिए हम तमाम तरीके अपनाते हैं। इसके लिए थेरेपी, क्रीम और मेडिसिन हर तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन मुंहासे फेस की खूबसूरती को बिगाड़ देते हैं। हालांकि हम मुंहासे होने का सही कारण नहीं जानते हैं और न ही इसको कभी समझने की कोशिश नहीं करते हैं। जिसके कारण इस समस्या का समाधान नहीं हो पाता है। असर में हम सिर्फ स्किन के ऊपरी हिस्से पर काम करते हैं। लेकिन एक्ने आदि की समस्या स्किन के अंदरूनी की वजह से होता है, जो हमारी सेहत से जुड़ी होती है। दानें सिर्फ स्किन संबंधी समस्याओं के कारण ही नहीं बल्कि शरीर के जिस भी हिस्से में गड़बड़ी होगी और स्किन का जो भी हिस्सा इससे जुड़ा होगा, वहां पर दाने या मुंहासे की समस्या होती है।

फेस मैपिंग

फेशियल मैपिंग को फेस मैपिंग भी कहा जाता है। जो फेस पर होने वाले मुंहासे के घावों के पैटर्न की पहचान करता है। फेस मैपिंग एक ऐसी विधि है, दो अंतर्निहित कारणों को निर्धारित करने और सही इलाज में सहायता करता है। फेस मैपिंग एक प्राचीन तकनीक है, जो करीब तीन हजार साल पुरानी स्किन विश्लेषण पद्धति है। फेस पर एक्ने की समस्या से राहत पाने के लिए फेस मैपिंग को कारगर माना जाता है। लेकिन अभी तक इस प्रोसेस को पूरी तरह से प्रमाणित नहीं किया गया है। हालांकि आज के समय में ब्यूटी और स्किन एक्सपर्ट इसका उपयोग करते हैं। फेस मैपिंग के जरिए आपकी सेहत का हाल और किस हिस्से में एक्ने क्यों रहे हैं। इसका विश्लेषण करने में सहायक होता है। फेस मैपिंग का इस्तेमाल खाद्य एलर्जी के कारण चकत्ते, रेखाएं, लालिमा, सूजन और झुर्रियों जैसी समस्याओं के इलाज में भी किया जा सकता है। फेस मैपिंग के जरिए फेस को कम से कम 10 अलग–अलग हिस्सों में विभाजित किया जाता है।

एक्ने होने का कारण

फेस पर दाने इसलिए निकलते हैं, जब आप चेहरे को अच्छे से साफ नहीं किया जाता है। इसलिए स्किन के पोर्स ब्लॉक हो जाते हैं। वहीं त्वचा में किसी तरह की समस्या होने पर भी फेस पर तरह–तरह की समस्या देखी जाती है। कई बार फेस पर निकले पिंपल्स हमारे स्वास्थ्य के बारे में इशारा करते हैं। खासतौर पर दानें कहां निकलते हैं, यह भी इस ओर संकेत करते हैं कि शरीर के किसी अंग में समस्या जरूर है। स्किन एक्सपर्ट के मुताबिक त्वचा में होने वाली रेडनेस, एलर्जी, एक्ने, दानें या फिर किसी तरह की समस्या गलत डाइट, तनाव का स्तर बढ़ना, एलर्जी, हार्मोन का असंतुलित होना, उम्र और आनुवंशिकता पर भी निर्भर करता है। स्किन एक्सपर्ट के हिसाब से त्वचा के कई हिस्सों में होने वाले दानों की वजहों का पता फेस मैपिंग के जरिये लगाया जा सकता है।

क्या कहता है विज्ञान

विज्ञान के हिसाब से फेस पर कुछ खास तरह की स्किन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। जोकि खास क्षेत्रों में दिखती हैं। बता दें कि हार्मोन असंतुलन, ठोड़ी या गालों पर मुंहासे एवं लालिमा, तनाव या प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में फेस मैपिंग से स्किन को फायदा हो सकता है। साल 2019 के एक अध्ययन में कहा गया है कि फेस की स्किन में कैपेसिटेंस, रक्त प्रवाह, ट्रांस एपीडर्मल वॉटर लॉस (टीईडब्ल्यूएल), सीबम, पीएच और तापमान में अलग–अलग क्षेत्रीय अंतर प्रदर्शित होते हैं। इसका मतलब है कि आपके फेस का कुछ हिस्सा लाइफस्टाइल में हो रहे बदलाव से प्रभावित हो सकते हैं। आधुनिक स्किन विज्ञान के मुताबिक फेस पर दिखने वाली त्वचा संबंधित समस्याएं स्वास्थ्य से जुड़ी होती है।

माथा और हेयरलाइन पर दानें

अगर आपको माथे या हेयरलाइन पर दानें निकल रहे हैं, तो आपका पाचन तंत्र गड़बड़ है। वहीं हेयरलाइन पर दानें तनाव लेने पर निकलते हैं। हार्मोनल डिस्बैलेंस के कारण हो रही है। खासतौर पर टेस्टोस्टेरोन जैसे एंड्रोजेनिक हार्मोन का लेवल बढ़ रहा है। इसलिए आवश्यक है कि आप अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सांस की दिक्कत

यदि किसी के गाल पर दानें निकल रहे हैं तो आपको सांस संबंधी दिक्कत है। यानी की आपका रेस्पिरेटरी सिस्टम सही तरीके से काम नहीं कर रहा है। रेस्पिरेटरी सिस्टम शरीर के उन सारे अंगों से मिलकर बनता है, जो सांस लेने में सहायता करता है। या फिर आप अधिक पॉल्यूशन वाले शहर में रहती हैं। इसलिए आप इस समस्या से निजात पाने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज कर सकती हैं।

ठुड्डी और भौंह पर दानें

कई लोगों के भौंह से लेकर नाक और ठुड्डी पर दाने निकलते हैं, तो आपको किसी तरह की एलर्जी हो सकती है। वहीं इन जगहों पर दाने निकलना पाचन संबंधी समस्याओं की तरफ संकेत करते हैं। आपको खानपान की आदतों में सुधार के साथ ऐसे फूड्स से दूर रहना चाहिए, जिनसे आपको एलर्जी है।

नाक पर मुहांसे

अगर नाक पर दाने निकलते हैं, तो इसका मतलब है कि आपका किडनी और लिवर दोनों सही से काम नहीं कर रहे। ये दाने ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स जैसे गैर–सूजन वाले घाव के रूप में नाक पर दिख सकते हैं। इसके अलावा यह दानें हृदय से संबंधित रोगों के साथ हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को भी दिखाते हैं। बता दें कि फेस को मैप करने के कुछ तरीके होते हैं। जिनसे शरीर के अंदर होने वाली समस्याओं को आसानी से समझा जा सकता है। अगर माथे पर लालिमा दिखती है, तो आप तनाव को मैनेज नहीं कर पा रही हैं। इसका मतलब है कि आपका पाचन सही नहीं है और शायद आपकी नींद भी पूरी नहीं हो पा रही है। माथे पर झुर्रियां और फाइन लाइन दिखती हैं या आंखों में सूजन होती है। तो यह किडनी के सही काम न करने की तरफ संकेत करता है। साथ ही गले पर लालिमा दिखने का अर्थ है कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है और आप अधिक तनाव ले रही हैं। या फिर आपको फेफड़े या लिवर संबंधी कोई परेशानी भी हो सकती है।

एक्ने के कारण अनेक

स्किन एक्सपर्ट के अनुसार, मुहांसों की वजह पता लगाना एक मुश्किल काम हो सकता है। लेकिन फेस मैपिंग आप यह जरूर पता लगा सकते हैं कि आपका शरीर स्वस्थ है या नहीं। अगर आपकी हेयरलाइन और जॉ लाइन पर एक्ने निकलते हैं, जो इसका मतलब है कि शरीर में हार्मोन असंतुलित है। वहीं अगर आपको 25 साल की उम्र तक भी लगातार एक्ने की समस्या हो रही है, तो इसका मतलब है कि आपके लिवर में समस्या है। वहीं फोरहेड पर एक्ने की समस्या है तो आपका स्कैल्प गंदा है, डैंड्रफ की समस्या है या फिर आपका पेट साफ नहीं है। हालांकि कई मामलों में च्ब्ै भी जिम्मदार होता है। शरीर में डिस्बिओसिस का होना भी मुहांसों का एक कारण हो सकता है। जिसके कारण बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ने लगता है। यानी की जीआई ट्रैक में बैक्टीरिया असंतुलित हो जाते हैं। इस वजह से स्किन का फ्लोरा खराब हो जाता है और एक्ने की समस्या हो सकती है। फेस मैपिंग एक सहायक तकनीक है, जो एक्ने से पीड़ित महिलाओं को यह समझने में मदद कर सकती है कि उनको क्यों और कैसे मुंहासे हो रहे हैं।

शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की जुलाई माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

मना धूमधाम से गुरु पूर्णिमा पर्व

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी सीमा वर्णिका व श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सुषमा त्रिपाठी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि अलका मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि योगिता सिंह तथा सुनीता गुप्ता रहीं। यह काव्य गोष्ठी दोपहर 3रू00 बजे से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सुषमा त्रिपाठी द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सीमा वर्णिका द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अलका मिश्रा, डॉ सुषमा त्रिपाठी,सुषमा सिंह उर्मि, योगिता सिंह, शिप्रा सिंह, पूनम पाण्डे, पुष्पा सिंह, सुनीता गुप्ता, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें । अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद ध न्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया।

पाण्डुलिपियों में संस्कृत और संस्कृति की झलक रू प्रो.अखिलेश सिंह

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संस्कृत विभाग एवं राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय ष्दुर्लभ पाण्डुलिपि प्रदर्शनीष 21ध्07ध्2024 से 23ध्07ध्2024 तक) का कार्यक्रम गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय परिसर के अकादमिक भवन ब्लॉक बी में प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि माननीय

कुलपति डॉ.अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि पाण्डुलिपियां भारतीय संस्कृत और संस्कृति की आधारशिला है। हमें अपनी संस्कृति अपने धरोहर और अपनी पाण्डुलिपियों को सुरक्षित व संरक्षित रखना चाहिए, जिससे हमारी भावी पीढ़ी इससे शिक्षा लेकर अपने अस्तित्व को सुरक्षित करते हुए भविष्य के सपनों को साकार कर सके। डीन, विद्यार्थी कल्याण इतिहासविद प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि पांडुलिपियाँ हमारे देश की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी सुरक्षा करना और उनसे शिक्षा लेकर अपने ज्ञान को नित्य–नवीन करना तथा उन तकनीकी का प्रयोग करके नए–नए नवाचार को बढ़ावा देना, इनका उद्देश्य है। कार्यक्रम में राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय के प्राविधिक सहायक, संस्कृत हरिश्चन्द्र दुबे ने विषय प्रवर्तन किया । संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने सभी आगंतुक अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन किया। संस्कृत विभाग के अतिथि प्रवक्ता डॉ.पीयूष मिश्र ने समारोह का सफल संचालन किया। पाण्डुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर जी के निर्देशन में राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय की ओर से गुरुपूर्णिमा के अवसर पर कुलपति प्रो.अखिलेश कुमार सिंह जी का अभिनंदन किया गया। इसके साथ– साथ रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. राजकुमार गुप्त, डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डॉ. अतुल कुमार वर्मा, डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ.प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र को भी पाण्डुलिपि पुस्तकालय के द्वारा सम्मानित किया गया। पाण्डुलिपि स्मारिका का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के राकेश कुमार वर्मा, नितिन त्रिपाठी, अनंत जी मिश्र, शिखा श्रीवास्तव, संदीप दुबे, शिवम मिश्र, कैलाशचन्द तिलवाडी,भूषण कुमार, अनुराग आजाद, उत्कर्ष पाण्डेय,आदि छात्र एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने पाण्डुलिपि प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन समारोह का समापन हुआ।

जौनपुर की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जौनपुर । शहर समता विचार मंच जौनपुर की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन में अर्चना चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ पूनम श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि डॉ सुमन सिंह, डॉ नीलू सिंह रहीं। यह काव्य गोष्ठी 5 बजे से 6.30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डॉ मधु पाठक द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी महिला रचनाकारों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। जिसमें डॉ पूनम श्रीवास्तव नेष्तुम तो मुझमें उम्र भर चलते रहोगे बहन हूं मैं तड़पती हूं भाई तेरे हितष , डॉ सुमन सिंह ने ष्राम रमे हैं हर जन में ष्खुली आंखों का खष्वाब कभी सच नहीं होता ष डॉ नीलू सिंह ने ष्सखि हो हरसित भईले मनवां झूमि झूमि आवै सवनवां नाष्ई मंहगाई जान ले लेई बुझात बा नाव डगमगात बा नाष् डॉ रेनू राय ने ष्मैंने अपने घर के पीछे एक उजड़ता घर देखा हैष् ष्अबकी सावन में जाब नैहरवां पिया ष् डॉ मधु पाठक नेषघिर आई कारी बदरिया धरती की धानी चुनरिया हो आया सावन सुहावनष , अर्चना चौहान ने ष्क पांव पर खड़ा है बगुला घातक ताक लगाए जल में ही छुप जा मछरिया क्यों उछल उछल दिखलाएष् रचना पढ़ी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ मधु पाठक ने किया।

असम नेपाली साहित्य सभा, विश्वनाथ नगर शाखा के सौजन्य में पुस्तक विमोचन समारोह

साहित्यकार गोपाल उपाध्याय का सरल गीता (श्रीमद्भागवत गीता भावानुवाद) अनुवाद पुस्तक का भव्य लोकार्पण

विश्वनाथ,। सदेश में गुरु पूर्णिमा उत्सव के उत्साह के बीच में असम नेपाली साहित्य सभा के विश्वनाथ नगर शाखा के सौजन्य में आज अपराह्न 1रू30 बजे विश्वनाथ महाविद्यालय के सभागृह में पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया गया।सर्वप्रथम विश्वनाथ नगर शाखा के मूलसचिव प्रेम विश्वकर्मा के संचालित सभा में नगर अध्यक्ष डॉ ० भक्त प्रसाद गौतम को पुस्तक विमोचन समारोह के गरिमामय सभाध्यक्ष के रूप में मंचासीन कराया गया। पुस्तक विमोचक के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार तथा लोक संस्कृति का गवेषक डॉ० खेमराज नेपाल,मुख्य अतिथि के रूप में विश्वनाथ महाविद्यालय के प्राचार्य व अनेसास के कार्यकरी अध्यक्ष डॉ ० चिंतामणि शर्मा, दीप प्रज्वलक के रूप में नेपाली समन्वय समिति, विश्वनाथ नगर के अध्यक्ष लोकनाथ शास्त्री, विशिष्ट अतिथि के रूप में क्रमशः अनेसास विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष हेमकुमार

गौतम, वरिष्ठ चिकित्सक डा. नारायण चंद्र उपाध्याय, छयदुवार महाविद्यालय के सेवानिवृत्त अध्यापक डॉ०जगन्नाथ उपाध्याय, विश्वनाथ चारिआलि नगरपालिका बोर्ड के पौरपति अमरज्योति बरठाकुर, नगाँव सोलुङ् हाईस्कूल के प्रधानाचार्य कुलदेव तिमसिना मंचासीन कराके फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। इसके बाद सभा में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को भी फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया।अनेसास विश्वनाथ नगर शाखा के कार्यकर्ताओं द्वारा सुमधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। साथ ही दीप प्रज्वलक लोकनाथ शास्त्री ने दीप प्रज्वलित कर मंत्रोच्चारण से गरिमामय सभा का शुभारंभ हुआ। अनेसास विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष हेमकुमार गौतम ने स्वागत भाषण दी। इसके बाद पुस्तक विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ० चिंतामणि शर्मा ने अपना वक्तव्य रखते हुए सर्वप्रथम सभी को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी। इसके बाद विश्वनाथ नगर शाखा के सक्रिय सदस्य मधुपुर निवासी श्री गोपाल उपाध्याय ने अपनी पहली कृति ष्सरल गीताष (नेपाली भाषा में अनुवादित) के रचना पर दो शब्द रखे ।तत्पश्चात वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० खेमराज नेपाल ने नेपाली में अनुवादित ष्सरल गीताष का भव्य लोकार्पण किया। उन्होंने अनुवादक गोपाल उपाध्याय को साधुवाद देते हुए पुस्तक पर समीक्षक व्याख्यान दीध। साथ ही उपस्थित अतिथियों में से सोतिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य राजेन शर्मा, विश्वनाथ बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त अध्यक्ष अंजली देवी आदि ने अपना सारगर्भित व्याख्यान दी। दीपिका उपाध्याय ने सुमधुर भजन, डॉ० नारायण चंद्र उपाध्याय ने गीत प्रस्तुति दी। सभा के अध्यक्ष डॉ० भक्त प्रसाद गौतम ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए सभी का आभार व्यक्त की। अनुवादक के धर्मपत्नी शांति उपाध्याय ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ गरिमामय पुस्तक विमोचन समारोह संपन्न हुआ।इस पावन मौके पर असम नेपाली साहित्य सभा विश्वनाथ जिला और नगर शाखा के पदाधिकारियों, सलाहकारों, कार्यकारी सदस्यों, आजीवन सदस्यों, मानद संरक्षक ,साहित्यिक गणमान्य महानुभाव और अखिल असम गोर्खा छात्र संघ के पदाधिकारी मौजूद थे।

ईश्वर शरण में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। राष्ट्रीय सेवा योजना ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज द्वारा ष्एक पेड़ मां के नामष कार्यक्रम के तत्वावधान में आज एवं वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह ने वृक्षारोपण करते हुए बताया कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मन की बात कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम अभियान का आह्वान किया गया था। अतः

एक नागरिक के रूप में हमें समाज में लोगों में वृक्षारोपण के प्रति पर्यावरण संरक्षण एवं मातृत्व को समर्पित इस अभियान को सफल बनाने हेतु जन–जन में प्रसारित करना है। महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि हमारी संस्कृति श्वृक्ष देवो भवश की संस्कृति है यहॉ वृक्ष पूजे जाते हैं, हम धरती को मां का दर्जा देते हैं। अतः हमें अपनी संस्कृति को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हुए समाज, समुदाय एवं राष्ट्र में इस अभियान को सफल बनाते हुए धरती और पर्यावरण को स्वस्थ बनाना होगा। हमारे युवा स्वयंसेवक इस कार्य में अग्रणी भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं अतः आज हम सभी लोग इस संकल्प के साथ वृक्षारोपण का कार्य शुरू करें की हमारे आसपास धरती जहां खाली स्थान हो वहां पर हम लोग वृक्षारोपण करें, कम से कम प्रत्येक व्यक्ति एक वृक्ष अवश्य लगाये और मां को समर्पित करते हुए इस अभियान को जन अभियान बनाएं। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ शैलेश कुमार यादव, डॉ आलोक कुमार मिश्र, डॉ गायत्री सिंह, डॉ रुचि गुप्ता, डॉ कृष्णा सिंह,एव डॉ रेफाक अहमद तथा सभी इकाइयों के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

रोटरी प्लैटिनम सदस्यों ने अध्यक्ष से कही मन की बात

प्रयागराज। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें क्लब के प्रत्येक सदस्य ने अपने–अपने मन की बात कही। यह कार्यक्रम नैनी, प्रयागराज में स्थित हिन्द एलीवेटर की फैक्ट्री में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष शशांक जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से यह जानने में आसानी होती है कि क्लब का प्रत्येक सदस्य क्या चाहता है और उनकी क्लब से क्या अपेक्षाएँ हैं। इस कार्यक्रम से दिशा मिलती है कि वर्ष भर सबको साथ लेकर

कैसे क्लब को चलाना है। इस कार्यक्रम का संचालन और व्यवस्था रोटेरियन अजय शर्मा द्वारा की गई।

मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन पीयूष रंजन अग्रवाल, चार्टर अध्यक्ष रितेश सिंह, प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉक्टर प्रतीक पांडेय, फर्स्ट लेडी प्रीति जैन, जय कुमार, विनीता विश्वकर्मा, प्रमेय मित्तल, जया मित्तल, विकाश भटनागर, नेहा भटनागर, सन्दीप कात्याल, सन्दीप जैन, पंकज गुप्ता, ज्योति गुप्ता एवं स्वाति केसरवानी सहित अन्य रोटेरियन सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने अपने–अपने मन की बात कही।

सदस्यों ने अध्यक्ष रोटेरियन शशांक जैन की प्रशंसा करते हुए बताया कि गत 20 दिनों के अंदर उनके द्वारा किए गए कार्य बहुत ही सराहनीय हैं। पूरे रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 में रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के कार्यों की प्रशंसा की जा रही है। कल, 21 जुलाई 2024 को सुबह 9 बजे सिविल लाइन्स सुभाष चौराहे पर श्म्बी व्दम च्संदज व्दमश के अंतर्गत आमजनमानस में बड़ी संख्या में पौधे वितरित किए गए और लोगों से शपथ पत्र भरवाकर संकल्प लिया गया कि वे पौधा रोपण कर उसके वृक्ष बन जाने तक उसकी देखभाल करेंगे।

तदर्थ शिक्षकों ने किया एलान, मांगे पूरी न हुई तो लखनऊ में देगें अनिश्चितकालीन धरना

अधिकारियों पर सीएम को गुमराह करने का आरोप

सवाल उठाया कि एक ही धारा में नियुक्त कुछ शिक्षकों को विनियमित किया अन्य को नौकरी से बाहर क्यों

प्रतापगढ़। वर्ष 1993 से एडेड माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्त तदर्थ शिक्षकोंको राज्य सरकार ने 9 नवम्बर 2923 के एक आदेश से प्रदेश के लगभग ढाई हजार शिक्षकोंको नौकरी से बाहर का रास्त दिखा था। इस संबं ा में तदर्थ शिक्षकों ने लम्बी कानूनी लड़ाई भी लड़ी। पिछले वर्ष लखनऊ डायरेक्टर आफिस पर 52 दिनों अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया था। लोकसभा चुनाव को देखते हुए अधिकारियोंने शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का भरोसा दिलाते हुए धरने का समाप्त कराया था। यह मुद्दा सीएम के सामने भी शिक्षक नेताओं ने उठाया। मगर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने सीएम को गुमराह करते हुए शिक्षकोंके नियुक्ति संबंधी प्रकरण को गलत ट्रैक की तरफ मोड़ दिया। लोकसभा रिजल्ट को देखते हुए लम्बे समय से लीड़ाई लड़ रहे ऐसे शिक्षकों को मानदेय देने का 2 जुलाई को एलान कर दिया। जिसमेंएलटी के शिक्षकोंको 25 हजार व प्रवक्ता को 30 हजार रू0 देने का प्रस्ताव पारित करते हुए आदेश जारी किया गया। प्रस्ताव में इतने टर्म कंडीशन लगाया गया है कि प्रबंधतंत्र जब चाहे इन शिक्षकों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा सकता है। ऐसे हालात मेंतदर्थ शिक्षक सड़क पर है। सीएम से रहम की भीख मांग रहे है। मगर शिक्षा विभाग के बड़ेअधिकारियों के रवैये से तदर्थ शिक्षकोंको भला नहीं हो पा रहा है। जिसकी वजह से तदर्थ शिक्षक एक बार फिर से आंदोलन की राह पकड़ने वाले है। तदर्थ शिक्षक संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह ने जिम्मेदारों को दो दिन का समय देते हुए कहा कि हम जैसों का आमेलन व विनियमितीकरण नहीं किया गया तो 25 जुलाई से लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगे।

अधिकारियोंपर सीएम को गुमराह करने का आरोप–

तदर्थ शिक्षक संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह ने शिक्षा विभाग के बड़ेअधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि तदर्थ शिक्षकों के मुद्दे पर सीएम को गुमराह किया गया। हम शिक्षकों की नियुक्ति विद्यार्थियों व समाज हित को देखते हुए प्रबंध तंत्र द्वारा उस समय की गई जब चयन आयोग काम नहीं कर रहा था। आज भी चयन बोर्ड काम नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट मेंरिट याचिका संख्या 8300 संजय सिंह बनाम राज्य सरकार के निर्णय का हवाला देते हुए सभी को मानदेय देने की घोषणा की है। जबकि इसी रिट से संबंध बड़ी संख्या मेंतदर्थ शिक्षकोंको विननियमित किया जा चुका है। श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश के तीस डीआईओएस, नौ संयुक्त शिक्षा निदेशक व डायरेक्टर ने मिलकर ऐसे शिक्षकों को विनियमित किया है। जिसका प्रमाण हम लोगों ने एसीएस माध्यक्षमिक शिक्षा को दिया है। उन्होंने मांग किया कि संविधान के अनुच्छेद 14 समानता के अधिकार के तहत बचे हुए तदर्थ शिक्षकों को भी रेगुलर किया जाए। उन्होंने सरकार और विभाग के अधिकारियों से सवाल किया है कि जब एक ही धारा में समी तदर्थ शिक्षक नियुक्त है तो कुछ को विनियमित किया और कुछ को छोड़ दिया ऐसा क्यों।

विनियमितीकरण के शासनादेश वर्ष 2016 के आदेश को अधिकारियोंने मनमाने तरीके से किया परिभाषित–

मार्च 2016 में सपा की सरकार ने बचे हुए तदर्थ शिक्षकोंको विनियमित करने के लिए कई निर्देशों के साथ शासनादेश लाई। जिसमेंएक बिन्दु 8 जोड़ गया। बिन्दु 8 मेंकहा गया है कि वह तदर्थ शिक्षक विनियमितीकरण की परिधि में नहीं आएंगे जो माननीय उच्च न्यायालय के अंतिम व अंतरिम आदेश से वेतन पा रहे है। मगर शिक्षा विभाग के अधिकारियोंने यहां भी खेल कर दिया। आरोप है कि बिन्दु 8 के रहते प्रदेश के कई मंडलों मेंऐसे तदर्थ शिक्षकोंको अधिकारियोंने सेटिंग कर विनियमित कर दिया। अधिकारियोंका यह निर्णय सरकार के गले की फांस बन गई है। इस खेल में शिक्षा विभाग के अधिकारियोंने मोटी कमाई की पर बदनाम सरकार हो रही है। कुल मिलाकर कहा जाए तो एक प्रदेश में दो विधान चल रहा है। यानी अधि ाकारियों के हिसाब से कानून का पालन हो रहा है।

दो फांड में बंटे हैं तदर्थ शिक्षक–

माध्यमिक विद्यालयों मेंतदर्थ रूप से प्रबंध तंत्र द्वारा नियुक्त शिक्षकों में दो फांड है। 30 दिसम्बर 2000 सेपूर्व नियुक्त तदर्थ शिक्षकों का कहना है कि हमारी नियुक्ति माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड की धारा 18 के तहत की गई है।

संक्षिप्त

एनयूजे प्रयागराज ने दी दिवगंत पत्रकार को श्रदाजँली

एनयूजे ने मुख्यमंत्री से घटना की उचस्तरीय जाँच की मांग की

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज की आकस्मिक बैठक सिविल लाइन स्थित कार्यालय पर सम्पन्न हुआ । बैठक मे प्रयागराज मे घायल पत्रकार राजेंद्र सिंह पिन्टू की लखनऊ स्थित केजीएमसी मे इलाज के दौरान निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया गया । साथ ही दिवगंत पत्रकार पिन्टू सिंह को श्रदाजँली दी गयी । बैठक की अध्यता जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने किया संचालन महामंत्री राजीव सिंह ने किया । बैठक मे मुख्यरूप से उतर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से मांग किया गया कि पत्रकार राजेंद्र सिह पिन्टू के मागॅ दुघॅटना की घटना को उच्चस्तरीय जाँच करायी जाए जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पिन्टू सिंह की सामान्य दुघॅटना हुई है या किसी साजिश के तहत दुघॅटना हुई है । पिन्टू सिंह श्रदाजँली देने वालो मे सवॅश्री कमल कुमार श्रीवास्तव पवन दिवेदी परवेज आलम कुन्दन श्रीवास्तव उमेश श्रीवास्तव सुधाकर पान्डेय बीरेंद्र श्रीवास्तव धर्मेंद श्रीवास्तव अभय पान्डेय जिया सिदीकी संतोष सिंह राजीव सिंह अखिलेश शुक्ला रंजीत निषाद सौरभ कुमार आदशॅ इरफान खान आमिर अंसारी पंकज साहूँ मधुर दरबारी असद कुरैसी मिथिलेश त्रिपाठी आदि ।

कमला नगर में..काव्य गोष्ठी संपन्न

प्रयागराजस

पुण्योदय फाउंडेशन के तत्वावधान में सोमवार को संस्थान के कार्यालय कमलानगर में एक काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने अपनी कविताएं प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यकार डॉ विजयानंद ने किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के प्रोफेसर सुनील विक्रम सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद बनारस से आये कवि शिव प्रकाश साहिल की वाणी वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गोष्ठी में दिनेश पाण्डेय नजर इलाहाबादी, जितेंद्र मिश्र जलज, अभिषेक केसरवानी, आनंद श्रीवास्तव, प्रतिमा दीक्षित आदि ने काव्यपाठ किया। फाउंडेशन की उपाध्यक्ष डॉ वंदना शुक्ला ने समस्त कवियों का स्वागत किया तथा संस्था के सचिव सुनील शुक्ल ने कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया।

जनहितकारी इंटरमीडिएट कश्वलेज के बच्चों ने ली जल संरक्षण कि शपथ

भरवारी। सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल संरक्षण कार्यक्रम के तहत सोमवार को चाकवन चौराहा भरवारी स्थित जनहिकारी इंटरमीडिएट कॉलेज के बच्चों एवं अध्यापकों ने जल को संरक्षित करने कि शपथ लिया। इसी क्रम विद्यालय कि अध्यापिका रिचा सिंह ने छात्र–छात्राओं को जल संरक्षण करने के लिए जागरूक करते हुये बताया कि जल संरक्षण भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है क्योंकि हम पहले से ही जल की कमी के मुद्दों का सामना कर रहे हैं। कुछ छोटे कदम बड़ी उपलब्धियों की ओर ले जा सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय कि प्रबंधक विद्या सिंह, प्रधानाचार्य सत्य नारायण सिंह, प्रीती सिंह, सुवेश, रंजना, अमिता, नवनीत, वैशाली, प्रिया, जाहिद, अखिलेश, शशि रानी कटियार आदि लोग उपस्थित रहे।

सावन के पहले सोमवार को श्रृद्धालुओं की उमड़ी भीड़

प्रतापगढ़। शहर के सई नदी तट स्थित पौराणिक मॉ बेल्हा देवी मंदिर में सावन के पहले सोमवार को सुबह से ही श्रृद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूर्व वर्षों की भंति भीड़ की आशंका को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने पहले से ही पुख्ता इंतिजाम कर रखे थे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिसकर्मियों को लगाया गया था। शहर व गॉव की बड़ी संख्या में महिला व पुरूष श्रृद्धालु मॉ बेल्हा देवी मंदिर परिसर में स्थित भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक कर मंगल कामना की।

सुरेश कुमार बने कश्वग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष

प्रतापगढ़। शहर के पूरे नरसिंह भान देवकली निवासी सुरेश कुमार सरोज को कॉग्रेस का अनुसूचित जाति विभाग का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। सांसद प्रमोद तिवारी की सहमति पर कॉग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने इस आशय का पत्र जारी करते हुए शीघ्र ही अपनी कमेटी के गठन को कहा है। जिलाध्यक्ष बनने की जानकारी पर कॉग्रेस जिलाध्यक्ष डा0 नीरज त्रिपाठी की अगुवाई में कॉग्रेसियों ने श्री सरोज के घर पहुंच कर उन्हें बधाई दी। डा0 नीरज ने कहा कि अनुसूचित जाति के लोग कॉग्रेस की विचारधारा से जुड़कर कॉग्रेस पार्टी का विकास करेंगे। इस मौके पर डा0 प्रशांत देव शुक्ल, वेदांत तिवारी, मो0 वसीम, जितेन्द्र कुमार, अख्तर अली, मौ0 नौशाद, इरफान अली, इस्तियाक, वी के सिंह, राम लवट यादव, महेन्द्र शुक्ल समेत अन्य कॉग्रेसजन मौजूद रहे।

वृद्धों को हर संभव मदद करेंगे डश्व. अनंत

प्रतापगढ़। हरे राम सेवा संस्थान के स्वयंसेवकों ने सोमवार को रवींद्रनाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम,प्रयागराज पर पहुंचकर जरूरतमंद वृद्धों से संपर्क स्थापित किया। वृद्धाश्रम में कुल वृद्ध जीवन जी रहे हैं। इनमें अधिकांश ऐसे वृद्ध भी वृद्धाश्रम में रहकर जीवन का गुजर बसर कर रहे हैं, जिनके बेटे बड़ी कंपनियों के मालिक हैं। वहीं कुछ के बेटे विदेशों मे रह रहे हैं। मगर, अपने माता–पिता के देखभाल के लिए उनके समय नहीं है। संस्थान के संस्थापक सीएमपी डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनंत सिंह उनकी संतान बन कर खड़े हो गए। डॉ. अनंत सिंह ने संस्था के सदस्यों के द्वारा आश्रम के बृद्धो से संपर्क कर संवाद स्थापित किया। संस्था को अल्प सहयोग राशि भी प्रदान कि गई ।साथ ही जरूरतमंद बृद्धो के आँखो में बसे अभिलाषा और आकांक्षा को भी पूरा करने का प्रयास भी किया गया ।डॉ अनंत सिंह ने उनके सभी सपनों को पूरा करने का वादा किया । संपर्क संवाद अभियान में डॉ. अर्चना पांडेय , डॉ. सुधि ा , डॉ. दीप्ति सामन्त्रय, डॉ. सपना मौर्य मौजूद रहे।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने संसद में विश्वास मत किया हासिल

काठमांडू। नेपाल के नवनियुक्त प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने रविवार को संसद में आसानी से विश्वास मत हासिल कर लिया। लगभग एक सप्ताह पहले ही उन्होंने देश में एक और गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए पद की शपथ ली थी। सरकार बनाने के लिए नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में कम से कम 138 सदस्यों का समर्थन होना आवश्यक है। ओली को 188 मत मिले। उन्हें जरूरी समर्थन से 50 मत अधिक मिले। वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता ओली (72) ने चौथी बार सोमवार को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। ओली ने मंत्रिमंडल के 21 अन्य सदस्यों के साथ पद और गोपनीयता की शपथ ली थी। नेपाल के संविधान के अनुसार, ओली के लिये नियुक्ति के 30 दिन के भीतर संसद से विश्वास मत हासिल करना आवश्यक था।

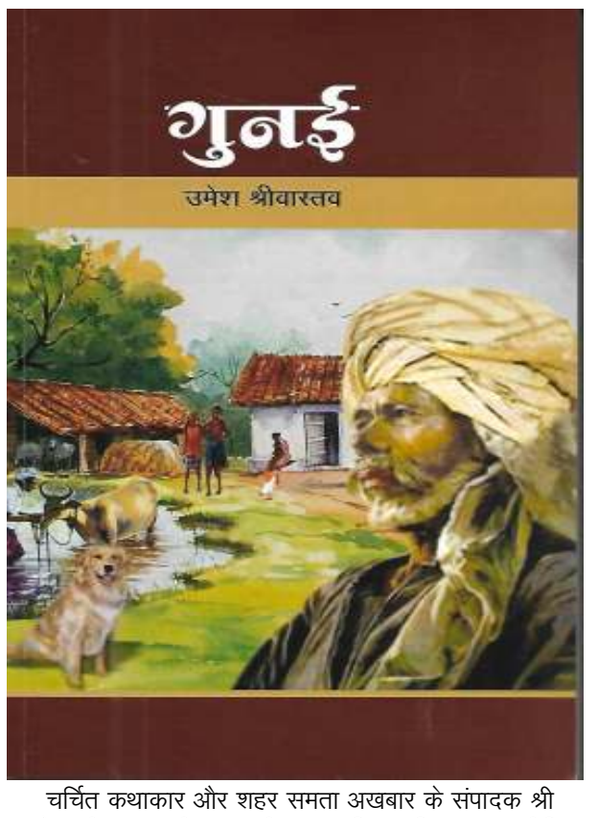

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

जो बाइडेन ने खुद पीछे हट कर कमला हैरिस को आगे कर दिया, इससे डोनाल्ड ट्रंप की राह आसान हुई या मुश्किल ?

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हटने की घोषणा की है जिसके बाद माना जा रहा है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से होगा। बाइडन ने अपनी पार्टी के नेताओं, दानदाताओं और परिवार की ओर से बढ़ते दबाव के बाद आखिरकार चुनाव मैदान से हटने की घोषणा की और इसके साथ ही, उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया है। जो बाइडन ने भारतीय–अफ्रीकी मूल की कमला हैरिस (59) के नाम की सिफारिश ऐसे वक्त की है जब वह जून के अंत में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बहस में खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता पिछले कई हफ्तों से उन (बाइडन) पर दौड़ से हटने का दबाव बना रहे थे। बाइडन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज मैं कमला हैरिस को इस साल हमारी पार्टी का उम्मीदवार बनाने के लिए अपना पूरा समर्थन और सहयोग देना चाहता हूं। डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए एकजुट होकर ट्रंप को हराने का समय आ गया है।'' बाइडन ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ से हटने का एलान करते हुए कहा कि ''यह मेरी पार्टी और देश के सर्वोत्तम हित में है।'' बाइडन (81) का यह निर्णय अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले मतदान से चार महीने पहले आया है।

जो बाइडन का बयान

बाइडन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में अमेरिकियों को संदेश देते हुए कहा, ''आपके राष्ट्रपति के रूप में सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मेरा इरादा फिर से चुनाव लड़ने का रहा है, लेकिन मेरा मानना है कि यह मेरी पार्टी और देश के सर्वोत्तम हित में है कि मैं इस दौड़ से हट जाऊं और अपने कार्यकाल के शेष समय में राष्ट्रपति के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करूं।'' हम आपको बता दें कि राष्ट्रपति बाइडन वर्तमान में कोविड–19 से संक्रमित होने के बाद अपने डेलावेयर निवास पर पृथक–वास में हैं। बाइडन ने कहा कि वह इस सप्ताह के अंत में अपने निर्णय के बारे में अधिक विस्तार से देश को बताएंगे। बाइडन ने कहा, ''अभी के लिए मैं उन सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे फिर से निर्वाचित होते देखने के लिए इतनी मेहनत की है। मैं इस सारे काम में एक असाधारण भागीदार होने के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अमेरिकी लोगों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझ पर इतना विश्वास और भरोसा जताया है।'' बाइडन ने अपने पत्र में कहा, ''पिछले साढ़े तीन वर्षों में, हमने एक राष्ट्र के रूप में बहुत प्रगति की है। आज, अमेरिका की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे मजबूत है। हमने वरिष्ठ नागरिकों के लिए दवा की लागत कम करने और अमेरिकी नागरिकों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा का विस्तार करने में ऐतिहासिक निवेश किया है।'' बाइडन ने कहा कि उनके प्रशासन ने 30 वर्षों में पहला 'गन सेफ्टी लॉ' भी पारित किया। उन्होंने यह भी कहा कि उनके प्रशासन ने दुनिया के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण जलवायु कानून पारित किया। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे पता है कि यह सब आप, अमेरिकी लोगों के बिना नहीं संभव था। हमने साथ मिलकर सदी में एक बार आने वाली महामारी और महामंदी के बाद सबसे खराब आर्थिक संकट पर काबू पाया है। हमने अपने लोकतंत्र की रक्षा की और उसे बचाए रखा है और हमने दुनिया भर में अपने गठबंधन को संवारा और मजबूत किया है।'' राष्ट्रपति बाइडन ने अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह एक असाधारण साथी हैं।

कमला हैरिस की खुशी का ठिकाना नहीं

वहीं बाइडन का समर्थन मिलने से खुश अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा है कि वह राष्ट्रपति पद के चुनाव में जो बाइडन द्वारा डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवारी के लिए उनके नाम की सिफारिश किए जाने से सम्मानित महसूस कर रही हैं। कमला ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति "डोनाल्ड ट्रंप और उनके 'प्रोजेक्ट 2025 एजेंडे' को हराने" के लिए देश को एकजुट करना उनका लक्ष्य है। कमला ने कहा, "मैं राष्ट्रपति का समर्थन पाकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। मेरा मकसद अब राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में जीत हासिल करना है।" हम आपको बता दें कि कमला जनवरी 2021 से उपराष्ट्रपति के रूप में सेवाएं दे रही हैं। वह अमेरिका की पहली ऐसी महिला, पहली ऐसी अश्वेत और पहली ऐसी दक्षिण एशियाई मूल की नागरिक हैं जो इस पद पर आसीन हुई हैं। बाइडन की सिफारिश से डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में कमला की दावेदारी को काफी बल मिला है, लेकिन उनके लिए शिकागो में अगले महीने प्रस्तावित 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' के दौरान पार्टी प्रतिनिधियों का समर्थन हासिल करना जरूरी है। कमला ने कहा, "मैं राष्ट्रपति के रूप में बाइडन के असाधारण नेतृत्व और हमारे देश की कई दशकों तक सेवा करने के लिए अमेरिका के लोगों की तरफ से उनका शुक्रिया अदा करना चाहती हूं।" उन्होंने कहा कि पिछले साल उन्होंने पूरे देश की यात्रा की और अमेरिकियों से इस महत्वपूर्ण चुनाव में उनके पसंदीदा उम्मीदवार और उससे उनकी अपेक्षाओं के बारे में जाना। कमला ने कहा, "और आने वाले दिनों और हफ्तों में भी मैं यहीं करती रहूंगी। मैं डेमोक्रेटिक पार्टी और हमारे देश को एकजुट करने के लिए, डोनाल्ड ट्रंप और उनके विवादित 'प्रोजेक्ट 2025 एजेंडे' को हराने के लिए वह सब कुछ करूंगी, जो मेरे बस में है... अभी चुनाव में 107 दिन बचे हैं। हम साथ मिलकर लड़ेंगे। हम साथ मिलकर जीतेंगे।"

क्लिंटन दंपति का बयान

हम आपको बता दें कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेटिक उम्मीदवारी के लिए कमला के नाम की पैरवी की है। क्लिंटन दंपति ने एक संयुक्त बयान में कहा, "हमने कई उतार–चढ़ाव देखे हैं, लेकिन हमें हमारे देश के लिए ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से उत्पन्न खतरे से ज्यादा किसी और चीज को लेकर चिंता नहीं हुई।" बयान में कहा गया है, "उन्होंने (ट्रंप) पहले ही दिन से तानाशाह बनने का वादा किया है और 'सुप्रीम कोर्ट' के हालिया फैसले से उन्हें संविधान को और अधिक खंडित करने का साहस मिलेगा। अब समय आ गया है कि हम कमला हैरिस को समर्थन दें और उन्हें राष्ट्रपति बनाने के लिए हरसंभव कोशिश करें।''

बराक ओबामा का बयान

दूसरी ओर, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और प्रतिनिधि सभा की पूर्व 'स्पीकर' नैंसी पेलोसी ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे हटने के राष्ट्रपति जो बाइडन के फैसले की प्रशंसा की है। हालांकि, दोनों नेताओं ने पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनावों के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का तत्काल समर्थन करने से परहेज किया। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने एक बयान में कहा, ''आने वाले दिनों में हम अज्ञात रास्तों से गुजरेंगे, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी पार्टी के नेता एक ऐसी प्रक्रिया बनाने में सक्षम होंगे, जिससे एक उत्कृष्ट उम्मीदवार उभरकर सामने आएगा।''

डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया

उधर, रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से अचानक पीछे हटने के लिए निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधा और दावा किया कि ''बाइडन के चिकित्सक समेत उनके इर्द–गिर्द मौजूद सभी लोग जानते थे कि वह राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने या राष्ट्रपति बनने के योग्य नहीं हैं।'' ट्रंप ने यह टिप्पणी तब की है, जब बाइडन (81) ने यह घोषणा कर सभी को हैरत में डाल दिया कि वह राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे हट रहे हैं और उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए भारतीय–अफ्रीकी मूल की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया। डोनाल्ड ट्रंप ने बाइडन के कोविड–19 से संक्रमित होने को लेकर संदेह भी जताया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया मंच ''ट्रुथ सोशल'' पर एक पोस्ट में कहा, ''तो अब हम कुटिल जो बाइडन से लड़ने के लिए समय और पैसा खर्च करने के लिए मजबूर हैं, बहस में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद वह चुनाव मैदान से पीछे हट गए। अब हमें सब कुछ फिर से शुरू करना होगा।'' पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ''क्या रिपब्लिकन पार्टी को धोखाधड़ी के लिए मुआवजा नहीं देना चाहिए कि जो बाइडन के चिकित्सक समेत उनके इर्द–गिर्द मौजूद हर व्यक्ति और फर्जी मीडिया यह जानती थी कि वह राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने या राष्ट्रपति बनने के समक्ष नहीं है? केवल पूछ रहा हूं।'' ट्रंप ने कहा कि बाइडन के साथ उनकी बहस का प्रसारण 'एबीसी न्यूज' पर सितंबर में होना था। उन्होंने बाइडन को अमेरिका के इतिहास में ''सबसे खराब'' राष्ट्रपति बताया। ट्रंप ने कहा, ''अब बाइडन इस दौड़ से बाहर निकल गए हैं, मुझे लगता है कि बहस का प्रसारण पक्षपातपूर्ण एबीसी के बजाय 'फॉक्स न्यूज' पर होना चाहिए था।''

एक अन्य पोस्ट में ट्रंप (78) ने कहा, ''क्या किसी को वाकई लगता है कि कुटिल जो बाइडन को कोविड था? नहीं, वह 27 जून को बहस वाली रात के बाद से ही पीछे हटना चाहते थे, जब उन्हें पूरी तरह से खत्म कर दिया गया था।'' उन्होंने कहा, ''वह जो बाइडन के अंत की दिशा में एक बड़ा क्षण था। जो बाइडन राष्ट्रपति बनने के योग्य नहीं हैं। वह हमारे देश को बर्बाद कर रहे हैं।'' हम आपको बता दें कि बाइडन 17 जुलाई को कोविड–19 से संक्रमित पाए गए थे। इसके बाद उन्हें ऐसे अहम वक्त पर प्रचार अभियान रोकना पड़ा था, जब उन पर उनके स्वास्थ्य को लेकर जारी अटकलों के बीच राष्ट्रपति पद की दावेदारी छोड़ने का दबाव बढ़ रहा था। वहीं, प्रतिनिधि सभा अध्यक्ष माइक जॉनसन ने राष्ट्रपति बाइडन से पद से इस्तीफा देने का आग्रह किया।

जो बाइडन ने राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को घोषणा की है कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे। बाइडन ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ से हटने का एलान करते हुए कहा कि ''यह मेरी पार्टी और देश के सर्वोत्तम हित में है।'' बाइडन (81) का यह निर्णय अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले मतदान से चार महीने पहले आया है। जून के अंत में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बहस में खराब प्रदर्शन के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता पिछले कई हफ्तों से बाइडन पर मुकाबले से हटने का दबाव बना रहे थे जिसके बाद उन्होंने यह फैसला किया है। बाइडन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक पत्र में कहा कि राष्ट्रपति के रूप में सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा, ''मेरा इरादा फिर से चुनाव लड़ने का रहा है, लेकिन मेरा मानना घ्है कि यह मेरी पार्टी और देश के सर्वोत्तम हित में है कि मैं दौड़ से बाहर होकर अपने शेष कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति के रूप में कर्तव्यों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करूं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

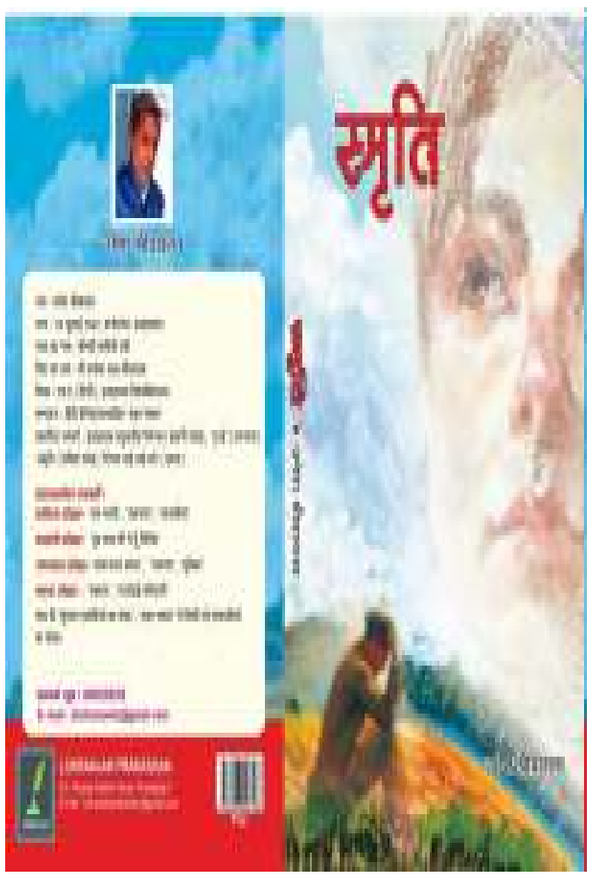

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

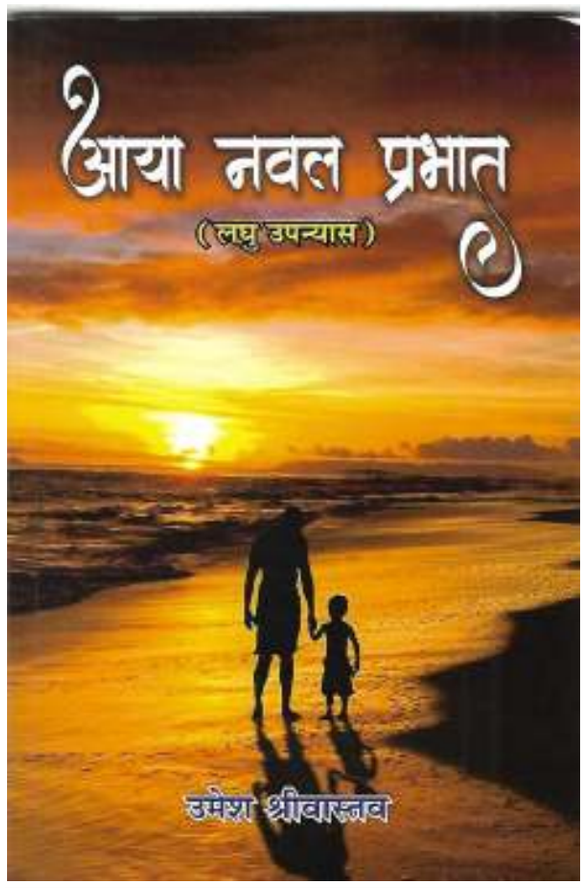

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

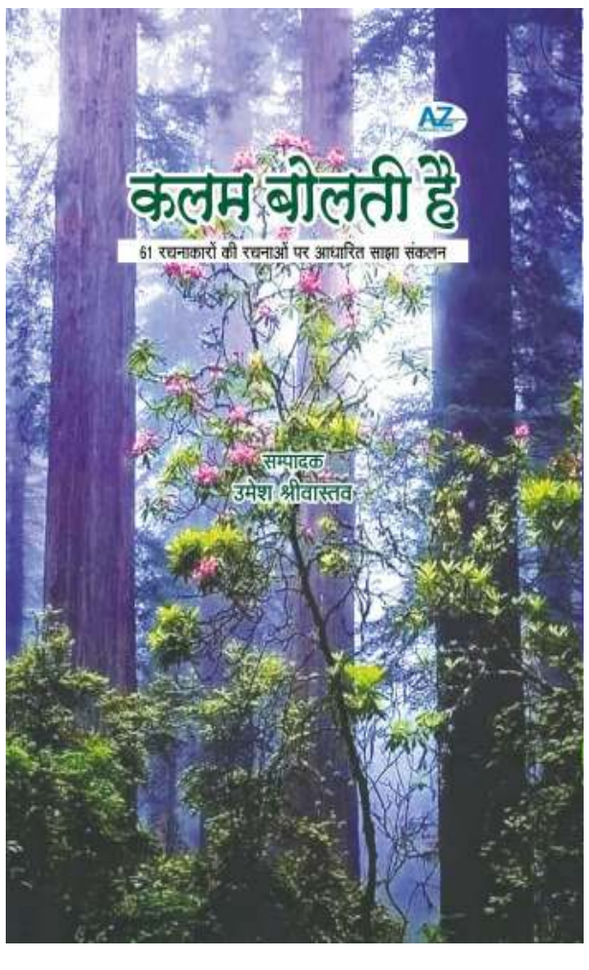

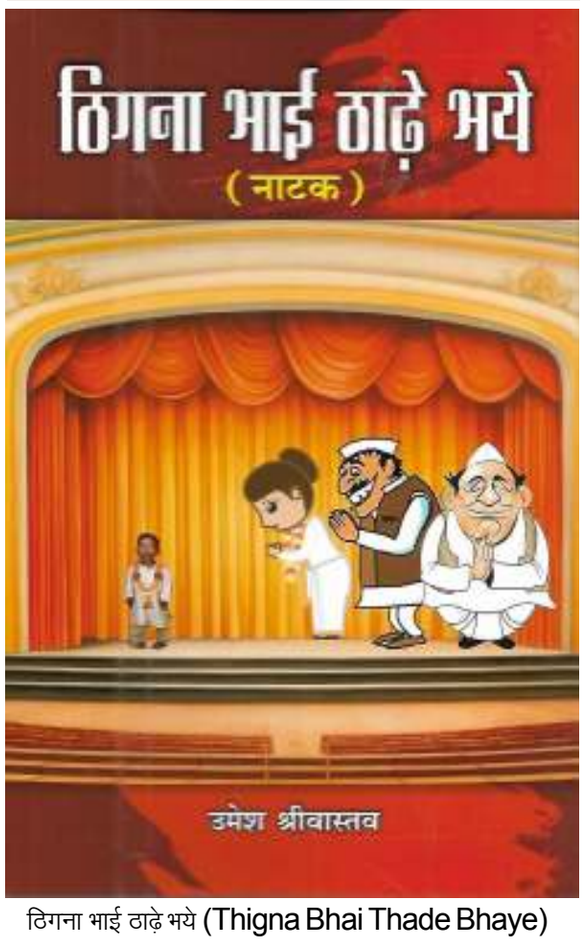

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)